कोटद्वार, शुक्रवार
5 दिसम्बर 2025
वर्षः 48
अंकः 199 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

जमानत पर रिहा उपद्रवियों पर सुरक्षाबलों की निगाह

हल्द्वानी । 10 दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट अतिक्रमण मामले में सुनाएगा फैसला पूर्व में हिंसा में शामिल रहे 23 लोगों की गतिविधियों पर नजर हल्द्वानी, कार्यालय संवाददाता। वनभूलपुरा में रेलवे भूमि मामले में फैसले से पहले सुरक्षा बलों की उन सभी 23 उपद्रवियों की गतिविधियों पर निगाह है, जिन्हें बीते दिन गिरफ्तार किया गया था। हालांकि फैसले की तिथि टलने के बाद सभी को रिहा कर दिया गया। खुफिया तंत्र और पुलिस इनकी विशेष निगरानी कर रही है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक दस दिसंबर को अब सुप्रीम कोर्ट का वनभूलपुरा मामले में फैसला आ सकता है। इसके लिए पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह चाक–चौबंद है।

वनभूलपुरा में पीएसी के जवान पूर्व से ही तैनात किए गए हैं। इसके अलावा पूर्व में हिंसा भड़काने में शामिल रहे 23 उपद्रवियों की विशेष निगरानी की जा रही है। इनकी गतिविधियों को परखा जा रहा है। ताकि फैसले से पहले किसी प्रकार से माहौल न बिगड़े। स्थानीय पुलिस को सुरक्षा से हटाया गया है जबकि पीएसी के जवान यहां तैनात हैं। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक नौ दिसंबर को ही पूर्व की तरह पुलिस फोर्स की तैनाती कर दी जाएगी। सुरक्षा से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। जिले के सभी थानों से फोर्स यहां आएगा।

लाडपुर के जंगल में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला युवक का शव

देहरादून । रायपुर क्षेत्र के लाडपुर तिराहे के सामने रिजर्व फॉरेस्ट में करीब 20 वर्षीय युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला है। शव पड़ा देख आसपास सनसनी फैल गई। शव के पास से नशीले इंजेक्शन, स्मैक और सिल्वर फॉयल पेपर भी बरामद हुए हैं। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। रायपुर थानाध्यक्ष गिरीश नेगी ने बताया कि गुरुवार दोपहर सूचना मिली। बताया गया कि लाडपुर तिराहा रायपुर के पास जंगल में एक युवक का शव पड़ा है। सूचना मिलते ही वह पुलिस बल के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे। शुरुआती जांच में पाया गया कि शव करीब 20–22 वर्षीय युवक का है। मौके पर मौजूद पुलिस टीम को शव के पास से नशीले इंजेक्शन, स्मैक और स्मैक का सेवन करने में प्रयुक्त सिल्वर फॉयल पेपर जैसी सामग्री मिली। वहीं मृतक की नाक से खून भी निकला हुआ पाया गया। घटनास्थल पर तत्काल फील्ड यूनिट और एफएसएल टीम को बुलाया गया। जिन्होंने फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी कर साक्ष्य जुटाए। फोटो जारी किया गया। तब पहचान क्षितिज उर्फ ध्रुव रावत उम्र बीस वर्षख् पुत्र दिनकर सिंह रावत निवासी नकरौंदा मोड़ हर्रावाला के रूप में हुई। पुलिस ने मृतक के परिजनों से संपर्क किया। पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरने के बाद उसे पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवा दिया है।

राज्य के स्कूलों, छात्रावास और आश्रमों के कर्मचारियों का होगा सत्यापन

देहरादून । उत्तराखंड राज्य बाल संरक्षण आयोग ने चमोली जिले में एक शिक्षक द्वारा बालिका के साथ कथित अश्लील हरकत किए जाने की गंभीर घटना पर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने राज्य के सभी स्कूलों, आश्रमों, छात्रावासों एवं बाल देखभाल संस्थानों में कार्यरत सभी कर्मचारियों का अनिवार्य पुलिस सत्यापन कराया जाने, वर्तमान और भविष्य में नियुक्त होने वाले सभी कर्मचारियों की नियुक्ति मनोवैज्ञानिक परीक्षण के बाद ही सुनिश्चित करने का सुझाव दिया है, ताकि बच्चों के लिए सुरक्षित वातावरण स्थापित हो सके। आयोग अध्यक्ष डॉ.गीता खन्ना ने कहा कि चमोली की यह घटना बच्चों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है तथा ऐसी अमानवीय घटनाओं को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता।

आयोग ने इस सम्बंध में चमोली पुलिस को अब तक की पूरी कार्रवाई की विस्तृत आख्या आयोग को तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। चमोली के डीएम और एसएसपी को इस प्रकरण में तत्काल जरुरी कार्रवाई करने को कहा है। डॉ.खन्ना ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा सवोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। आयोग ऐसे मामलों में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाता है, किसी भी लापरवाही को गंभीरता से लिया जाएगा।

संसद शीतकालीन सत्र 2025 का चौथा दिन

भारत आने वाले समय में उर्जा का निर्यातक होगा: गडकरी

नई दिल्ली,संसद के शीतकालीन सत्र का चौथा दिन दोनों सदनों की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू हुई. लोकसभा में प्रश्नकाल संपन्न हुआ और शून्यकाल चल रहा है. संसद की कार्यवाही अब सुचारू रूप से चल रही है. सत्ता और विपक्ष के बीच एसआईआर को लेकर जारी गतिरोध दूर हो गया है.

रिपोर्ट के अनुसार केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण गुरुवार को लोकसभा में हेल्थ सिक्योरिटी से नेशनल सिक्योरिटी सेस बिल, 2025 को विचार और पास करने के लिए पेश कर सकती हैं. इस बिल का मकसद नेशनल सिक्योरिटी और पब्लिक हेल्थ पर होने वाले खर्च को पूरा करने के लिए रिसोर्स बढ़ाना है और खास सामान बनाने या प्रोडक्शन के लिए लगाई गई मशीनों और दूसरे प्रोसेस पर और उससे जुड़े मामलों के लिए सेस लगाना है.यूपी से सपा सांसद रामजी लाल सुमन ने लोगों के गैर कानूनी तरीके से अमेरिका भेजे जाने का मुद्दा उठाया.

उन्होंने पूछा कि कौन सी ऐसी संस्था जो इन लोगों को गलत तरीके से भेजते हैं. सरकार ने इन संस्थाओं के खिलाफ क्या कार्रवाई की है. विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इस प्रश्न का जवाब देते हुए कहा कि एनआईए ने ऐसी संस्थानों के खिलाफ कार्रवाई की है.दिल्ली –एससीआर में वायु प्रदूषण पर राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा ने कहा, यह सच है कि प्रदूषण है, लेकिन यह आज या कुछ दिनों का नहीं है, बल्कि यह कई सालों से चल रहा है. सरकार इसे लेकर सीरियस है और इस पर काम भी कर रही है. इतनी बड़ी समस्या को एक बार में हल नहीं किया जा सकता, लगातार कोशिशों की जरूरत होगी. मुझे उम्मीद है कि अगले साल इस पर कुछ ठोस काम होगा और प्रदूषण कम होगा. अगर आप सोचते हैं कि कल एक सरकार गई और आज दूसरी सरकार इसे ठीक कर देगी, तो ऐसा नहीं होता. हर चीज में समय लगता है, और जब काम इतना बड़ा हो.

राहुल गांधी का बड़ा आरोप, कहा– नेता प्रतिपक्ष को पुतिन से मिलने से रोका जा रहा

नईदिल्ली,। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर लोकतांत्रिक परंपरा तोडऩे का आरोप लगाया है। राहुल ने संसद परिसर में पत्रकारों से कहा कि केंद्र सरकार ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को भारत यात्रा के दौरान अन्य दलों के नेताओं से न मिलने का सुझाव दिया है। उन्होंने कहा कि यह गलत किया जा रहा है, जबकि देश का प्रतिनिधित्व केवल सरकार नहीं बल्कि विपक्ष भी करता है।

राहुल ने कहा, सामान्य तौर पर परंपरा रही है कि जब भी कोई बाहर से आता है तो वह नेता प्रतिपक्ष (एलओपी) से मिलता है। ये वाजपेयी और मनमोहन सिंह के समय भी था और यही परंपरा रही है। लेकिन आजकल, जब कोई बाहर से आता है या मैं विदेश जाता हूं तो सरकार उन्हें सुझाव देती है कि एलओपी से नहीं मिलना चाहिए। यह उनकी नीति है। हमें बताया जाता है कि सरकार उनसे कहती है कि न मिलें। राहुल ने आगे कहा, हमारे सभी के साथ संबंध हैं। विपक्ष के नेता अलग दृष्टिकोण देते हैं। सिर्फ सरकार ही नहीं, बल्कि हम भी भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं।

इंडिगो ने फिर रद्द की उड़ानें, यात्री परेशान, आखिर क्या है कारण?

नईदिल्ली,देश की सबसे बड़ी और किफायती एयरलाइन इंडिगो इस समय मुश्किल हालात का सामना कर रही है। लगातार उड़ानें रद्द होने से यात्री परेशान हो गए हैं। गुरुवार तड़के दिल्ली से रवाना होने वाली 30 से ज्यादा उड़ानें रद्द कर दी गईं और हैदराबाद में भी लगभग 33 उड़ानें रद्द हुईं हैं। मुंबई हवाई अड्डे पर भी यही हाल है। नवंबर में भी एयरलाइन का प्रदर्शन अच्छा नहीं था, जिसको लेकर नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने नोटिस भी भेजा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और हैदराबाद के हवाई अड्डों पर कुल 200 उड़ानें रद्द होने की सूचना थी। गुरुवार को भी इंडिगो की 170 से अधिक उड़ानों के रद्द होने की संभावना है। डीजीसीए ने मामले का संज्ञान लेते हुए इंडिगो से लगातार उड़ानें रद्द होने का कारण पूछा है। विमानन नियामक ने मामले पर तब गौर किया, जब एक दिन में दिल्ली में 38, मुंबई में 33 और अहमदाबाद में 14 उड़ानें रद्द हुईं। डीजीसीए ने इंडिगो की ओर से उपलब्ध

कराई गई जानकारी से बताया कि नवंबर में कुल एयरलाइंस ने कुल 1,232 उड़ानें रद्द की है। इनमें 755 उड़ानें चालक दल के सदस्य और फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (एफडीटीएल) की बाध्यताओं के कारण रद्द हुईं हैं। डीजीसीए के मुताबिक, 258 उड़ानें हवाई क्षेत्र प्रतिबंधों के कारण, 92 उड़ानें एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम की विफलता के कारण और 127 उड़ानें अन्य कारणों से रद्द हुई है। डीजीसीए ने एयरलाइन के खराब प्रदर्शन को देखते हुए उनके अधिकारियों को गुरुवार को बातचीत के लिए बुलाया है। डीजीसीए ने कहा कि इंडिगो की उड़ानों के साथ क्या समस्या है, उसकी जांच की जा रही है। उसने एयरलाइन को वर्तमान स्थिति के कारण, उड़ान रद्द कम करने और देरी कम करने की योजना भी पेश करने को कहा है। एयरलाइन का समग्र समय पर प्रदर्शन (ओटीपी) नवंबर में 67.7 प्रतिशत रहा, जबकि अक्टूबर में यह 84.1 प्रतिशत था। इंडिगो ने उड़ानों के रद्द होने पर अपना बयान जारी कर कहा, छोटी–मोटी तकनीकी गड़बडिय़ां, सर्दियों के मौसम से संबंधित शेड्यूल में बदलाव, प्रतिकूल मौसम की स्थिति, विमानन प्रणाली में भीड़भाड़ में वृद्धि और अद्यतन चालक दल सदस्य रोस्टरिंग नियमों यानी एफडीटीएल के कार्यान्वयन सहित कई चुनौतियों ने परिचालन पर नकारात्मक प्रभाव डाला, जिसका अनुमान लगाना संभव नहीं था। इंडिगो ने कहा कि वह व्यवधान को नियंत्रित करने और स्थिरता बहाल करने के लिए काम कर रही है।

तराई क्षेत्र के विकास के लिए सड़क, स्वास्थ्य, उद्योग और आधारभूत संरचना की दर्जनों घोषणाएँ

देहरादून । मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं तराई क्षेत्र के संस्थापक पंडित राम सुमेर शुक्ल की 47वीं पुण्यतिथि पर रुद्रपुर राजकीय मेडिकल कॉलेज प्रांगण में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर मुख्यमंत्री ने सर्वप्रथम स्वर्गीय पंडित राम सुमेर शुक्ल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके जीवन परिचय पर आधारित शिलापट्ट का अनावरण किया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 11 व्यक्तियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित भी किया।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पंडित राम सुमेर शुक्ल राष्ट्र्भक्ति, त्याग और समर्पण के प्रतीक थे, जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन देश, समाज और किसानों के कल्याण के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने बताया कि छात्र जीवन से ही पंडित जी की राष्ट्र सेवा की भावना अतुलनीय थी। वर्ष 1936 में मात्र 21 वर्ष की आयु में उन्होंने लाहौर अधिवेशन में मोहम्मद अली जिन्ना के द्विराष्ट्रवाद सिद्धांत का मुखर विरोध कर पूरे देश का ध्यान आकर्षित किया। बाद में गांधी जी के आदर्शों से प्रेरित होकर उन्होंने कानून की प्रैक्टिस छोड़ स्वतंत्रता आंदोलन में स्वयं को पूर्णतः समर्पित कर दिया। अनेक बार जेल जाने और यातनाएँ झेलने के बावजूद उनका साहस कभी नहीं डिगा। 'भारत छोड़ो आंदोलन' के दौरान युवाओं को संगठित कर उन्होंने आंदोलन को नई दिशा दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भी पंडित शुक्ल ने किसानों, स्वतंत्रता सेनानियों और तराई क्षेत्र के विकास को अपना जीवन लक्ष्य बनाया। तराई कॉलोनाइजेशन योजना के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने तराई क्षेत्र के विकास की मजबूत नींव रखी। आज रुद्रपुर और तराई का जो स्वरूप दिखाई देता है, वह उनकी दूरदृष्टि का परिणाम है। श्रद्धेय पं. राम सुमेर शुक्ल के नाम पर रुद्रपुर मेडिकल कॉलेज का निर्माण भी जारी है।

बीजेपी सांसद बांसुरी स्वराज के पिता स्वराज कौशल का निधन

नई दिल्ली,नई दिल्ली से भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज के पिता व पूर्व मिजोरम राज्यपाल और वरिष्ठ वकील स्वराज कौशल का गुरुवार को निधन हो गया. वे 73 वर्ष के थे. सुप्रीम कोर्ट के सीनियर एडवोकेट और दिवंगत नेता सुषमा स्वराज के पति स्वराज कौशल के आकस्मिक निधन से राजनीतिक गलियारों में शोक की लहर दौड़ गई है.

इसकी जानकी भाजपा ने एक्स पर दी है. जिसमें कहा गया है कि भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज के पिता स्वराज कौशल का आज निधन हो गया है.

भारत की राजनीति में स्वराज कौशल को एक बेहतर राजनीतिज्ञ के रूप में जाता है. वे छह साल तक राज्यसभा के सदस्य रहे और साथ ही मिजोरम में राज्यपाल का पद भी संभाला. स्वराज कौशल सबसे कम आयु में राज्यपाल बनने वाले व्यक्ति रहे. 13 जुलाई 1975 को उनका विवाह सुषमा स्वराज के साथ हुआ था. स्वराज कौशल और सुषमा स्वराज की उपलब्धियों का स्वर्णिम रिकॉर्ड 'लिम्का बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड' में दर्ज हो चुका है.

गुलदार ने व्यक्ति को बनाया निवाला

ग्रामीणों ने किया विधायक और डीएम को घेराव, गुलदार को किया नरभक्षी घोषित

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जनपद पौड़ी गढ़वाल के ग्रामसभा चवथ के राजस्व गांव गजल्ड में गुरूवार सुबह एक व्यक्ति को गुलदार ने निवाला बना लिया। बताया जा रहा है कि वह सुबह मंदिर में दीपक जलाने गए थे और वापस लौटते घात लगाए बैठे गुलदार ने उस पर हमला कर दिया। हादसे के बाद क्षेत्र में गुलदार की दहशत बन गई है। स्थानीय ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने घटना पर रोष व्यक्त किया। उन्होंने मौके पर पहुंचे पौड़ी विधायक और जिलाधिकारी का घेराव किया। जानकारी के अनुसार गुरुवार सुबह गजल्ड निवासी राजेंद्र प्रसाद नौटियाल 42 साल गांव के पास के मंदिर में दीपक जलाने गए थे, वापस लौटते हुए करीब सुबह साढ़े 7 बजे रास्ते में गुलदार ने हमला कर जान से मार डाला। सुबह जब ग्रामीणों ने शव को मौके पर देखा तो वन विभाग और प्रशासन को इसकी सूचना दी। इसके बाद मौके पर वन विभाग, पौड़ी कोतवाली पुलिस और संयुक्त मजिस्ट्रेट पौड़ी दीक्षिता जोशी भी पहुंची। आक्रोशित ग्रामीणों ने मौके पर ही वन विभाग की टीम के साथ ही प्रशासन को भी घेरा और

गुलदार को नरभक्षी घोषित करने की मांग उठाते हुए गांव में शूटर तैनात करने की मांग रखी। मौके पर पहुंचे विधायक पौड़ी राजकुमार पोरी, डीएम स्वाति एस भदौरिया को भी ग्रामीणों के आक्रोश का सामना करना पड़ा। मौके पर ही करीब साढ़े 12 बजे गुलदार को मारने के आदेश ग्रामीणों को दिखाए गए। हालांकि इसके बाद भी ग्रामीण नहीं माने और गांव में शूटर तैनात किए जाने की मांग पर अड़े रहे और शव को उठाने नहीं दिया। शाम को करीब 3 बजे ही शव को पीएम के लिए जिला अस्पताल लाया जा सका। गढ़वाल वन प्रभाग के डीएफओ अभिमन्यु सिंह ने बताया कि सक्रिय गुलदार को नरभक्षी घोषित कर दिया गया है। प्रभावित क्षेत्र में शूटर कोटी से तैनात किए जा रहे हैं। इसके साथ ही ट्रैंक्यूलाइज और गश्त टीम को भी तैनात कर दिया गया है। टीम 24 घंटे गुलदार पर नजर रखेगी। प्रभावित परिवार को समुचित मुआवजा दिया जा रहा है।

बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की योजना बना रहे थे अमित शाह, ममता बनर्जी का आरोप

बहरामपुर (पश्चिम बंगाल),। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को मुर्शिदाबाद में एक जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर भाजपा पर धर्म के आधार पर राजनीति करने का आरोप लगाया. ममता ने कहा, एसआईआर से जुड़ी घटनाओं में मरने वालों में आधे से ज्यादा हिंदू थे. आप (भाजपा) उस डाल को मत काटो जिस पर आप (भाजपा) बैठे हो. मुख्यमंत्री ममता ने पूछा कि रोहिंग्या लोग असम और त्रिपुरा जैसे राज्यों से घुसपैठ करते हैं, जिनकी सीमा बांग्लादेश से लगती है, तो क्या वहां एसआईआर अभ्यास इसलिए शुरू नहीं किया गया क्योंकि वे भाजपा शासित राज्य हैं? ममता ने आगे आरोप लगाया कि अगर हमने पश्चिम बंगाल में एसआईआर की इजाजत नहीं दी होती तो अमित शाह राष्ट्रपति शासन लगाने की योजना बना रहे

थे. ममता ने कहा, अगर मैंने एसआईआर की इजाजत नहीं दी होती, तो वे बिना मतदान के राष्ट्रपति शासन लगा देते. ममता ने अमित शाह पर निशाना साधते हुए कहा कि क्या आप अमित शाह की चाल समझते हैं? हम इतने बेवकूफ नहीं हैं, बाबूमोशाय, गोदीभाई! हम करेंगे, हम लड़ेंगे. हम जीतकर दिखाएंगे. सीएम ममता ने एसआईआर के लागू होने को, जो राज्य में विधानसभा चुनावों से ठीक पहले शुरू हुआ, राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर को लागू करने की दिशा में पहला कदम बताया. गुरुवार को मुर्शिदाबाद के बहरामपुर स्टेडियम में जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि ऊपर से देखने में यह आसान लगता है, लेकिन इसके पीछे बंगालियों की नागरिकता छीनने और उन्हें बेघर करने की गहरी साजिश है. तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ममता ने एक बार फिर कहा कि वह बंगाल में एनआरसी लागू नहीं होने देंगी. उन्होंने कहा, भले ही वे मेरा गला काट दें, मैं यहां कोई डिटेंशन कैंप नहीं बनने दूंगी और किसी को भी बाहर नहीं निकालूंगी. ममता ने उन आरोपों का भी जोरदार खंडन किया जो भाजपा और केंद्र सरकार बार–बार लगाती है कि बंगाल घुसपैठियों के लिए एक सुरक्षित जगह है.

गुजरात एटीएस ने पाकिस्तानी जासूसी की पोल खोली, सेना के पूर्व सूबेदार और महिला गिरफ्तार

अहमदाबाद,गुजरात के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने गुरुवार को एक बड़े पाकिस्तानी जासूसी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। एटीएस ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंटों को संवेदनशील और सुरक्षा संबंधी जानकारी लीक करने के आरोप में एक महिला और एक पूर्व सेना सूबेदार को गिरफ्तार किया है। उनकी पहचान गोवा में भारतीय सेना में सूबेदार मेजर अजय कुमार सिंह और दादरा एवं नगर हवेली की रश्मणी पाल के रूप में हुई है। दोनों से पूछताछ की जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, अजय पर पाकिस्तानी गुर्गों को वित्तीय सहायता पहुंचाने का भी आरोप है। दोनों जासूसी नेटवर्क के तहत धन जुटाने में मदद कर रहे थे। दोनों ने संवेदनशील जगहों से जुड़ी गोपनीय जानकारियां इक्ट्ठा की और उनको पाकिस्तान के साथ साझा करने में लगे थे। एटीएस अब इस व्यापक नेटवर्क की जांच कर रही है। वह पता लगा रही है कि कितनी जानकारी पहले ही लीक हो चुकी है और इससे कितने लोग जुड़े हैं। गुजरात एटीएस के अधिकारियों ने इससे पहले नवंबर में पंजाब पुलिस द्वारा वांछित एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया था। उस पर आरोप था कि वह भारत में ग्रेनेड हमले करने के लिए पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संचालकों से साथ काम करने वाले गिरोह के लिए हथियारों की तस्करी कर रहा था।

राऊज़ एवेन्यू कोर्ट ने टाला आरोप तय करने का आदेश, लालू परिवार को 8 दिसंबर तक राहत

नई दिल्ली,। नौकरी के बदले ज़मीन सीबीआई केस में दिल्ली की राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव, तेज प्रताप यादव, मीसा भारती, हेमा यादव और दूसरे आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश टाल दिया है. कोर्ट ने सीबीआई से आरोपियों का स्टेटस वेरिफाई करने को कहा है, क्योंकि कुछ आरोपियों की कार्रवाई के दौरान मौत हो गई थी. कोर्ट ने सीबीआई से स्टेटस रिपोर्ट फाइल करने को कहा है और मामले की सुनवाई 8 दिसंबर को तय की है. सीबीआई ने 103 लोगों को आरोपी के तौर पर चार्जशीट किया था. हालांकि, कार्रवाई के दौरान 4 की मौत हो गई.

दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने लैंड फॉर जॉब मामले में सीबीआई की ओर से दर्ज एफआईआर के मामले में आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने

के मामले पर फिर फैसला टाल दिया है. आरोप तय करने पर फैसला तैयार नहीं होने की वजह से टाल दिया गया. स्पेशल जज विशाल गोगने ने 8 दिसंबर को फैसला सुनाने का आदेश दिया, इसके पहले 10 नवंबर को भी कोर्ट फैसला टाल चुका है.

कोर्ट ने सीबीआई के मामले में आरोप तय करने पर 25 अगस्त को फैसला सुरक्षित रख लिया था. आज सुनवाई के दौरान लालू यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव पेश नहीं हुए. तीनों की ओर से पेश वकील मनिंदर सिंह ने तीनों की आज कोर्ट में पेशी से छूट की मांग की जिसे कोर्ट ने मंजूर कर लिया. बता दें कि लालू यादव ने इस मामले में सीबीआई की ओर से दर्ज एफआईआर को निरस्त करने और ट्रायल कोर्ट में चल रही कार्यवाही पर रोक की मांग के लिए दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की है.लालू यादव की ओर से पेश वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि इस मामले में अभियोजन चलाने के लिए जरुरी अनुमति नहीं ली गई. ऐसे में पूरी जांच गैरकानूनी है. बिना जरुरी अनुमति के जांच शुरु नहीं की जा सकती है. सिब्बल ने कहा कि इस मामले में पूरी कार्यवाही ही गलत है.

सीएम नीतीश बोले–बिहार में कहीं डर का माहौल नहीं, पूरे राज्य का हो रहा विकास

प्रधानमंत्री मोदी का कीजिए धन्यवाद

पटना,बिहार विधानमंडल के शीतकालीन सत्र में आज चौथे दिन राज्यपाल के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा हुई. विधानसभा और विधान परिषद में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सत्ता पक्ष की तरफ से अपनी बातों को रखा. इस दौरान सीएम ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भी जमकर तारिफ की.

मुख्यमंत्री ने सभी नवनिर्वाचित विधायकों को धन्यवाद दिया. एनडीए को भारी बहुमत से जीताने के लिए बिहार के लोगों को भी शुक्रिया अदा किया. कहा कि बिहार में विकास हो रहा है कहीं डर का माहौल नहीं है. सीएम ने कहा कि पहले कितना हिंदू मुस्लिम होता था, लेकिन अब किसी तरह का झंझट नहीं होता है.

पहले कब्रिस्तान की घेराबंदी की गई. फिर 60 साल से अधिक पुराने मंदिरों की घेराबंदी की गई.सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि 10 लाख नौकरी 10 लाख रोजगार का वादा किया गया था. लेकिन 10 लाख नौकरी और 40 लाख रोजगार दिया जा चुका है. यानी 50 लाख नौकरी रोजगार दिया जा चुका है. अब अगले 5 साल में एक करोड़ नौकरी रोजगार दिया जाएगा.मुख्यमंत्री ने कहा कि पंचायत में महिलाओं के आरक्षण 2006 में हम लोगों ने दिया, तब से चार चुनाव हो चुके हैं. अब सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है. एक करोड़ 40 लाख जीविका दीदी हैं और इनकी संख्या लगातार बढ़ रही है. मुख्यमंत्री महिला रोजगार के लिए महिलाओं को ?10000 की राशि दी जा रही है. अब तक एक करोड़ 56 लाख महिलाओं को राशि दी जा चुकी है. महिलाओं को अच्छा व्यवसाय करने पर 2 लाख तक की और सहायता दी जाएगी.

सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि केन्द्र सरकार का भी भरपूर मदद मिल रहा है. 2024 और 2025 में विशेष आर्थिक पैकेज बिहार को मिला है. बजट में मखाना बोर्ड के गठन का भी फैसला लिया गया है.मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हम नमन करते हैं. इस दौरान सीएम नीतीश ने सभी को हाथ उठाने के लिए कहा. विपक्ष को भी कहा कि आप लोग भी क्यों नहीं उठा रहे हैं? आप लोग पहले बात मान लेते थे लेकिन बाद में गड़बड़ करने लगे तो छोड़ दिये, अब कभी नहीं जाएंगे.

तृणमूल कांग्रेस के विधायक हुमायूं कबीर निलंबित

कोलकाता,पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के विधायक हुमायूं कबीर को निलंबित कर दिया गया है। उन्होंने मुर्शिदाबाद जिले में बाबरी जैसी मस्जिद बनाने की बात कहकर विवाद खड़ा कर दिया था। उनके बयान को लेकर पार्टी के भीतर तीखी आलोचना हुई थी और तुरंत अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई। टीएमसी की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि बेलडांगा के विधायक की टिप्पणी अस्वीकार्य है और पार्टी के रुख को नहीं दर्शाती है। कबीर ने पिछले दिनों कहा था, मैंने एक साल पहले कहा था कि मैं बेलडांगा में बाबरी मस्जिद की नींव रखूंगा। तुम्हारी चमड़ी क्यों जल रही है? क्या तुम्हें भाजपा चला रही है? 6 दिसंबर को एनएच–34 मेरे नियंत्रण में रहेगा, मुसलमानों के नियंत्रण में। इस दौरान उन्होंने मुर्शिदाबाद प्रशासन पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एजेंट होने का आरोप लगाया और अधिकारियों को चेतावनी दी कि उनके कार्यक्रम को रोकने की कोशिश की तो वे आग से न खेलें। विधायक कबीर के बयान के बाद राज्य में बवाल खड़ा हो गया है। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने राज्य सरकार से कहा कि अगर विधायक के बयान से तनाव पैदा हो रहा है तो उन्हें गिरफ्तार क्यों नही किया जाना चाहिए?

भीमा कोरेगांव मामले में दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर हनी बाबू को मिली जमानत

मुंबई,महाराष्ट्र की बॉम्बे हाई कोर्ट ने एल्गार परिषद–भीमा कोरेगांव मामले में गुरुवार को दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के पूर्व एसोसिएट प्रोफेसर हनी बाबू को जमानत दे दी। न्यायमूर्ति एएस गडकरी और रंजीत सिंह आर भोंसले की खंडपीठ ने बाबू को एक लाख रुपये के निजी मुचलके पर जमानत दी। वह 5 साल से अधिक समय से हिरासत में हैं। कोर्ट ने कहा कि बिना मुकदमा शुरू किए लंबे समय तक जेल में रखना शीघ्र सुनवाई के मौलिक अधिकार का उल्लंघन है। प्रोफेसर बाबू को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने 28 जुलाई, 2020 को गिरफ्तार किया था, जिसके बाद उन्होंने जमानत के कई प्रयास किए। उनकी पिछली जमानत

याचिकाएं एक विशेष एनआईए अदालत और 2022 में हाई कोर्ट द्वारा खारिज की जा चुकी है। मई 2024 में, उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में जमानत के लिए विशेष अनुमति याचिका दायर की थी, जो वापस ले ली। बाद में उन्होंने परिस्थितियों में बदलाव का हवाला देते हुए जमानत के लिए हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

सम्पादकीय

पुलिस का असभ्य आचरण

पुलिस के आचरण को लेकर हमेशा से ही एक बहस छिड़ी हुई है जिसमें एक पक्ष इसे अपराधों पर नियंत्रित करने के लिए सही मानता है तो एक पक्ष ऐसा भी है जो कहता है कि पुलिस की भाषा शैली और व्यवहार आम व्यक्ति को भी अपराधी जैसा व्यवहार करने का आदी बन चुकी है। अभी हलिया मामला राजस्थान से सामने आया है जहां वकील और एक पुलिस अधिकारी के बीच का विवाद सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। गुप्त तरीके से बनाई गई वीडियो में पुलिस की भाषा शैली वकील के साथ व्यवहारिक नहीं कहीं जा सकती और स्टेशन अधिकारी वकील द्वारा सवाल करने पर उन्हें बंद करने की न केवल धमकी देता है बल्कि अमर्यादित शब्दों का भी प्रयोग कर रहा है। इस वीडियो ने पूरे राजस्थान पुलिस को हिला कर रख दिया जिस पर पुलिस आयुक्त ने तत्काल कार्रवाई करते हुए निरीक्षक व एक अन्य पुलिसकर्मी को निलंबित कर दिया। इधर मामला इस पर भी शांत नहीं हुआ और अब पूरे देश में पुलिस के आचरण और आम लोगों के साथ व्यवहार करने की शैली पर बहस छिड़ गई है। इस घटना के बाद जहां पुलिसकर्मी निरीक्षक के साथ खड़े नजर आ रहे हैं तो वही पूरा सोशल मीडिया इंस्पेक्टर के आचरण पर तंज कस रहा है। राजस्थान पुलिस के आला अधिकारियों ने तो अब अपने प्रशिक्षण कार्य क्रम में ही नहीं बल्कि पुलिस कर्मियों के लिए आम व्यक्ति से सुमधुर व्यवहार और भाषा शैली को मर्यादित रखने की भी कड़ी हिदायत जारी कर दी है। देखा जाए तो पुलिस थाने हो या फिर सार्वजनिक स्थल, आम व्यक्ति के साथ उनका आचरण आमतौर पर सही नहीं रहता। पुलिस को मिले अधिकार और किसी को भी डरा धमकाकर बंद करने की आदत जनता में पुलिस के प्रति नकारात्मक सोच पैदा करती है। राजस्थान के इस प्रकरण के बाद पुलिस के आचरण व्यवहार और भाषा शैली को लेकर निश्चित तौर पर सभी प्रदेशों में पुलिस व्यवस्था पर चिंतन करने की महिम शुरू होगी लेकिन क्या प्रशिक्षण के बावजूद भी पुलिसकर्मी सभ्य और अपराधियों के बीच का अंतर समझ पाएगी? क्या पुलिसकर्मी अपनी वर्दी की धौंस में सभी को एक ही पलड़े में तोलेंगे या फिर उन्हें इस प्रकार का उच्च कोटि का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा जो इस अंतर को समझने की समझ पुलिस कर्मियों को दे सके। दशकों से ही पुलिस का व्यवहार ऐसा ही चला आया है फिर वह चाहे किसी भी राज्य की पुलिस क्यों ना हो? उत्तराखंड भी पुलिस के असभ्य आचरण से बचा हुआ नहीं है और यहां भी पूर्व में कई ऐसे प्रकरण पुलिस की छवि पर दाग लगने का कारण बन चुके हैं। पुलिस को अपने इस व्यवहार में परिवर्तन लाना ही होगा क्योंकि अब समाज अपने अधिकारों की प्रति जागरूक हो चुका है और किसी को भी डरा धमका कर झूठे मुकदमों में बंद करना या फिर सरेआम अब मर्यादित व्यवहार करना महंगा पड़ सकता है, जैसा की राजस्थान के इस प्रकरण में देखने को मिला है। पुलिस को अपराधी और संभ्रांत व्यक्ति के बीच का अंतर समझना होगा अन्यथा दूसरों को दंडित करने का अधिकार रखने वाले भी अब खुद दंड के भागी बनने से बच नहीं सकते।

संसद को चलाने की पहली जिम्मेदारी सरकार की

अजीत द्विवेदी

संसद का शीतकालीन सत्र सोमवार, एक दिसंबर से शुरू हो गया है। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की भारी भरकम जीत के बाद यह सत्र हो रहा है। नए उप राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन का यह पहला सत्र है। वे पहली बार उच्च सदन यानी राज्यसभा का संचालन कर रहे हैं। पिछले यानी मानसून सत्र में विवाद का जो मुख्य मुद्दा रहा था और जिस मुद्दे पर पूरा सत्र जाया हुआ था वह इस सत्र में भी है। दो दो जजों के खिलाफ महाभियोग का मामला भी है तो मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग लाने की विपक्ष की तैयारियां भी हैं। तभी सवाल है कि संसद का यह छोटा सा सत्र कैसे सुचारू रूप से चलेगा? ध्यान रहे शीतकालीन सत्र सिर्फ 19 दिन का है और इसमें 15 बैठकें होंगी।

इसमें सरकार को 10 विधेयक पेश करने हैं। हालांकि सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि संविधान के 131वें संशोधन का विधेयक पेश करने की उसकी कोई मंशा नहीं है। पहले यह प्रस्तावित विधेयकों की सूची में था। इसमें चंडीगढ़ को संविधान के अनुच्छेद 240 के तहत लाने का प्रस्ताव है। इससे चंडीगढ़ प्रशासन को केंद्र सरकार के नियमों से संचालित करने का अधिकार मिल जाएगा। सत्र के पहले दिन सरकार और विपक्ष दोनों ने अपना रवैया दिखा दिया है। सत्र शुरू होने से पहले प्रधानमंत्री ने मुख्य विपक्षी कांग्रेस को निशाना बनाते हुए कह दिया कि कुछ पार्टियां हार नहीं पचा पाती हैं। उनके इस बयान को कांग्रेस ने अहंकार बताया है। इस जुबानी जंग और दोनों सदनों में हंगामे के साथ कार्यवाही शुरू हुई है। फिर भी अगर दोनों पक्ष अपने रुख में थोड़ा लचीलापन ले आएं तो संसद का सत्र सुचारू रूप से चल सकता है। लोकसभा स्पीकर और राज्यसभा के सभापति को भी इसमें थोड़ी पहल करनी चाहिए।

संसद को सुचारू रूप से चलाने की पहली जिम्मेदारी सरकार की होती है। अगर सरकार विवाद के मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार हो जाए तो टकराव की 90 फीसदी संभावना समाप्त हो जाती है। मिसाल के तौर पर पिछले सत्र से विपक्ष चाहता है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर पर चर्चा कराई जाए। पिछला पूरा सत्र इस पर विवाद में जाया हुआ था। ध्यान रहे सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा करा ली थी। सरकार को भी पता है कि चर्चा होते ही वह मुद्दा समाप्त हो गया। उसके बाद फिर कभी भी विपक्ष ने उसका मुद्दा नहीं उठाया। लेकिन एसआईआर पर चर्चा नहीं हुई तो मुद्दा आज तक चल रहा है।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू का यह कहना सही है कि सरकार चुनाव आयोग के प्रवक्ता नहीं है। लेकिन चुनाव आयोग द्वारा शुरू किए गए एसआईआर पर चर्चा कराने का फैसला तो सरकार को ही करना है! दूसरी बात यह है कि आयोग पर जो आरोप विपक्ष लगा रहा है उसका लाभार्थी तो भाजपा को ही बता रहा है तो वैसे भी भाजपा को चर्चा के लिए तैयार होना चाहिए ताकि वह अपना पक्ष रख सके। एसआईआर की सफलता बिहार में प्रमाणित हुई है। उसके आंकड़े सरकार के पास हैं। सो, एक बार उसे चर्चा करा लेनी चाहिए, जिससे यह मुद्दा समाप्त हो जाएगा।

सरकार के बाद दूसरी जिम्मेदारी विपक्ष की होती है, जिसने अरुण जेटली की इस बात की गांठ बांध ली है कि संसद को बाधित करना भी संसदीय प्रक्रिया का हिस्सा है और इससे भी लोकतंत्र मजबूत होता है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि सरकार से अपनी बात मनवाने या जनता तक अपनी बात पहुंचाने के लिए कई बार संसद को बाधित करना भी एक रणनीति होती है। लेकिन इस रणनीति का ज्यादा इस्तेमाल नुकसानदेह भी हो सकता है। गौरतलब है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्ष के अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन करने और भाजपा के बहुमत से नीचे आने के बाद विपक्ष ज्यादा आक्रामक हुआ है और किसी न किसी मुद्दे पर संसद की कार्यवाही बाधित कर रहा है। लेकिन विपक्ष को भी पता है कि इसका कोई राजनीतिक या चुनावी लाभ उसे नहीं हो पा रहा है। पिछले लोकसभा चुनाव के बाद हुए राज्यों के चुनावों में छह में से चार राज्यों में एनडीए की सरकार बनी है और जम्मू कश्मीर में भी भाजपा का प्रदर्शन बेहतर हुआ है। कांग्रेस का प्रदर्शन इन सभी राज्यों में खराब रहा है। सो, एक बार चर्चा करके, बहस में हिस्सा लेकर और संसद को सुचारू रूप से चला कर देखना चाहिए। हो सकता है कि उससे विपक्ष को अपनी बात ज्यादा बेहतर ढंग से जनता तक पहुंचाने का मौका मिले। उनको समझना चाहिए कि उनकी गैरहाजिरी में बिना चर्चा के आम जनता से जुड़े जरूरी विधेयक पास हो रहे हैं। कानून बन रहे हैं। यह लोकतंत्र के लिए अच्छी बात नहीं है।

> **सरकार के बाद दूसरी जिम्मेदारी विपक्ष की होती है, जिसने अरुण जेटली की इस बात की गांठ बांध ली है कि संसद को बाधित करना भी संसदीय प्रक्रिया का हिस्सा है और इससे भी लोकतंत्र मजबूत होता है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि सरकार से अपनी बात मनवाने या जनता तक अपनी बात पहुंचाने के लिए कई बार संसद को बाधित करना भी एक रणनीति होती है। लेकिन इस रणनीति का ज्यादा इस्तेमाल नुकसानदेह भी हो सकता है। गौरतलब है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्ष के अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन करने और भाजपा के बहुमत से नीचे आने के बाद विपक्ष ज्यादा आक्रामक हुआ है और किसी न किसी मुद्दे पर संसद की कार्यवाही बाधित कर रहा है। लेकिन विपक्ष को भी पता है कि इसका कोई राजनीतिक या चुनावी लाभ उसे नहीं हो पा रहा है।**

दोनों सदनों के पीठासीन अधिकारियों यानी स्पीकर और सभापति की भी जिम्मेदारी है कि वे संसद का सुचारू संचालन सुनिश्चित करें। इसके लिए बहुत कुछ करने की जरुरत नहीं है। अगर दोनों सदनों में विपक्ष की बात भी सुनी जाने लगे तो व्यवस्था बहाल हो जाएगी। दुर्भाग्य से भारत में यह व्यवस्था बन गई है कि विपक्ष के 90 फीसदी से ज्यादा प्रस्तावों को आसन की ओर से खारिज किया जाता है और सरकार के 99 फीसदी प्रस्तावों को स्वीकार किया जाता है। इससे ऐसा लगता है कि आसन की ओर से नहीं, बल्कि सरकार की ओर से संसद का संचालन किया जा रहा है। अगर विपक्ष के भी प्रस्तावों को संतुलित अनुपात में स्वीकार किया जाए तो संसद के सुचारू संचालन का रास्ता बनेगा।

अभी विपक्ष को ऐसा लगता है कि उनकी बात पूरी तरह से अनसुनी की जाती है। चर्चा या काम रोको प्रस्ताव बिना सुने खारिज किए जाते हैं। उनके प्रतिरोध को दबाने का प्रयास किया जाता है। सदन में वेल में जाने से लेकर नारेबाजी करने, प्लेकार्ड ले जाने से रोका जाता है। साथ ही तुरंत सदन से निलंबित करने के फैसले हो रहे हैं। सरकार को विपक्ष की गैरहाजिरी में जरूरी विधेयक पास कराने की अनुमति दी जा रही है। यह धारणा बदलनी चाहिए।

विपक्ष की हमेशा यह मांग रहती है कि प्रधानमंत्री संसद में ज्यादा समय दें। पिछले सत्र में भी लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर पर हुई चर्चा का जवाब दिया और दो घंटे से ज्यादा का भाषण दिया। लेकिन उससे पहले वे सदन में नहीं बैठे और राज्यसभा में तो न जवाब दिया और न केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के जवाब के समय मौजूद रहे। ध्यान रहे प्रधानमंत्री संसद सत्र के दौरान संसद भवन के अपने कार्यालय में रहते हैं लेकिन दोनों सदनों में बहुत कम समय देते हैं।

अगर प्रधानमंत्री की मौजूदगी संसद की कार्यवाही के दौरान बढ़ेगी तो विपक्ष को भी मजबूरी में मौजूद रहना होगा और बेहतर ढंग से कार्यवाही चल पाएगी। हालांकि इसमें भी सत्तापक्ष के सांसदों को भी ध्यान रखना चाहिए कि प्रधानमंत्री की मौजूदगी में उनके नाम के नारे लगाने, मेज थपथपाने और विपक्ष का मजाक उड़ाने को बाहर अच्छा नहीं माना जाता है। यह संसद की मर्यादा के अनुरूप नहीं है। ऐसे छोटे छोटे उपायों से संसद का सुचारू संचालन सुनिश्चित किया जा सकता है।

विपक्ष को अपनी कमियों से सीख लेनी होगी

रजनीश कपूर

बिहार चुनाव से चुनाव आयोग की निष्पक्षता, राजनीतिक दलों के आचरण और चुनाव जीतने की रणनीति सभी पर गंभीर चर्चा है। पर आयोग को चाहिए कि वह अपने हर निर्णय में पारदर्शिता, कठोरता और समान व्यवहार बनाए रखे, तभी वह जनता का भरोसा लौटाने में कामयाब होगा। विपक्ष को अपनी कमियों से सीख लेनी होगी, ताकि वे सशक्त विकल्प बन सकें और लोकतंत्र को मजबूती दे सकें।

हाल में हुए बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में चुनाव आयोग की भूमिका और उस पर उठते सवालों ने एक बार फिर चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर गंभीर बहस छेड़ दी है। एनडीए की ऐतिहासिक जीत और महागठबंधन (इंडिया एलायंस) की करारी हार के बीच, मुख्य सवाल यही उठा कि क्या चुनाव आयोग ने अपने संवैधानिक कर्तव्यों का सही तरह से निर्वहन किया? साथ ही, आचार संहिता के उल्लंघन, राजनीतिक दलों के आचरण और आयोग पर दोहरे मानदंडों के आरोपों ने भी चुनावी निष्पक्षता की मूल भावना को चुनौती दी है।

हाल के चुनावों में चुनाव आयोग पर पक्षपात और दोहरे मानदंड अपनाने के आरोप लगे। खास तौर पर, कांग्रेस और महागठबंधन ने वोटर लिस्ट, अधिकारियों की नियुक्ति और निष्पक्ष मतदान पर गंभीर सवाल खड़े किए। आरोप है कि कुछ विधानसभा क्षेत्रों में वोटर लिस्ट से लाखों नाम हटा दिए गए या मनमाने ढंग से जोड़े–घटाए गए। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि आयोग ने भाजपा शासित राज्यों से चयनित नौकरशाहों और पुलिस अधिकारियों को चुनावी पर्यवेक्षक नियुक्त कर पक्षपातपूर्ण रवैया दिखाया। विपक्ष ने मतदान प्रक्रिया की पारदर्शिता पर भी सवाल खड़े करते हुए कहा कि आयोग की प्रक्रिया आम जनता का भरोसा कायम नहीं रख पा रही है।

इस चुनाव में लगभग सभी प्रमुख दलों के सोशल मीडिया पर भड़काऊ जातिवादी और भ्रामक कंटेंट साझा होने के आरोप लगे। बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने ऐसे लगभग 21 एफआईआर दर्ज किए, जिनमें भाजपा, राजद और कांग्रेस जैसे बड़े दलों के खिलाफ भी कार्रवाई हुई। कई सोशल मीडिया हैंडल्स पर तो गुमराह करने वाले ,–जनित वीडियो और दीपफेक कंटेंट डालने के आरोप मिले, जिन्हे तुरंत हटवाया गया।

आयोग द्वारा आचार संहिता के पालन के लिए सोशल मीडिया पर निगरानी करने की व्यवस्था थी, परंतु बड़ी संख्या में भड़काऊ और गुमराह करने वाले पोस्ट सामने आए, जिससे आयोग की प्रभावशीलता को लेकर सवाल भी उठे।

भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में चुनाव आयोग की सबसे अहम जिम्मेदारी है, चुनाव प्रक्रिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी बनाना। आयोग को अपने हर कदम पर समानता और पारदर्शिता का पालन करना चाहिए। आयोग की साख को बहाल करने के लिए कुछ जरूरी कदम उठाने चाहिए। जैसे कि सभी दलों की शिकायतों की सार्वजनिक व स्वतंत्र जाँच। पर्यवेक्षकों और चुनावी कर्मियों की निष्पक्ष नियुक्ति जो कि राजनीतिक झुकाव से दूर रहते हुए की जाए। वोटर लिस्ट की शुद्धता और अद्यतन प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाना। सोशल मीडिया व डिजिटल प्रचार पर कठोर निगरानी और दोषियों पर तत्काल कार्रवाई। आचार संहिता उल्लंघन पर बिना किसी भेदभाव के उचित व सख़्त न्यायिक कार्यवाही।

वहीं देखा जाए तो महागठबंधन (इंडिया एलायंस) रणनीतिक स्तर पर संगठित नहीं हो सका। सीट शेयरिंग, यानी सीटों का बँटवारा, चुनाव से ठीक पहले तय हुआ, जिससे अभियान की गति और एकता दोनों प्रभावित रहीं। तेजस्वी यादव के देर से सक्रिय चुनाव प्रचार, गठबंधन में सहयोगी दलों के मतभेद और साझा विजन की कमी ने विपक्ष की प्रभावशीलता कम कर दी। साथ ही, कांग्रेस जैसी सहयोगी दल ज़मीनी स्तर पर मतदाताओं को लामबंद करने में नाकाम रही। ऐसे समय में जब एनडीए अपनी एकजुटता दिखा रहा था, महागठबंधन अपनी आंतरिक समस्याओं में उलझ कर रह गया।महागठबंधन ने मुख्य रूप से सत्ता विरोधी लहर (एंटी–इन्कम्बेंसी) पर ज्यादा दांव लगाया, जबकि एनडीए ने अपनी स्थिरता, विकास, और समावेशिता के एजेंडा के साथ मतदाताओं को बेहतर तरीके से साधने में सफल रहा। जातिगत समीकरणों को लेकर महागठबंधन ने पारंपरिक रणनीति अपनाई, परंतु दलित, महिला, और अति पिछड़ा वर्ग को खास तौर पर टार्गेट करके एनडीए ने अपने पुराने वोट बैंक के दायरे को काफी विस्तार दिया। जो एनडीए की ऐतिहासिक जीत का कारक बना। इसके साथ ही महिलाओं को लुभाने के लिए दिए गए अनुदान ने भी इस चुनाव परिणाम में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बहरहाल चुनाव चाहे किसी राज्य की सरकार का हो या केंद्र की सरकार का, हर राजनैतिक दल मतदाताओं को लुभाने की मंशा से ऐसे कई वादे करते हैं जो वास्तव में सच नहीं किए जाते। यदि जनता को चुनावों में किए गए वादों और उन्हें पूरा किए जाने के अंतर की देखा जाए तो यह अंतर काफ़ी बड़ी संख्या में पाया जाएगा। चुनावों से पहले ऐसे वादे हर राजनैतिक दल द्वारा किए जाते हैं।

जिस तरह बिहार की जनता ने एक बार फिर से नीतीश कुमार में अपना विश्वास जताया है उससे यह बात तो तय है कि जनता को किए गए चुनावी वादे काफ़ी लुभावने थे। परंतु मतदाताओं यह सोचना होगा कि वादों की सूची और उन्हें पूरा करने में जिस भी दल का अंतर सबसे कम हो वही दल जनता के हित की सोचता है, तभी उसी दल को चुना जाता है। यदि सभी दल एक समान हैं तो जनता को चुनावी वादों से भ्रमित होकर इनमें फँसना नहीं चाहिए।बिहार चुनाव से चुनाव आयोग की निष्पक्षता, राजनीतिक दलों के आचरण और चुनाव जीतने की रणनीति सभी पर गंभीर चर्चा है। पर आयोग को चाहिए कि वह अपने हर निर्णय में पारदर्शिता, कठोरता और समान व्यवहार बनाए रखे, तभी वह जनता का भरोसा लौटाने में कामयाब होगा। साथ ही, विपक्ष को चुनावी रणनीति बनाने और आंतरिक समन्वय में अपनी कमियों से सीख लेनी होगी, ताकि वे सशक्त विकल्प बन सकें और लोकतंत्र को मजबूती दे सकें।

धुरंधर एडवांस बुकिंग में गाड़ रही झंडे, टिकटों की कीमत 2,000 रुपये के पार पहुंची

उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म बना चुक निर्देशक आदित्य धर अगली फिल्म धुरंधर के साथ तैयार हैं। यह फिल्म 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। रणवीर सिंह फिल्म में मुख्य किरदार निभा रहे हैं। उनके अलावा, संजय दत्त, आर माधवन, अक्षय खन्ना, अर्जुन रामपाल और सारा अर्जुन प्रमुख भूमिकाओं में हैं। धुरंधर की एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है जिसमें फिल्म झंडे गाड़ रही है, वहीं फिल्म के टिकटों की कीमत आसमान छू रही है। धुरंधर की एडवांस बुकिंग देशभर में करीब 3,000 शो के लिए शुरू हुई है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने मंगलवार की दोपहर तक 2,594 शो के लिए 30,969 टिकट बेच दिए हैं। ब्लॉक सीटों के साथ फिल्म ने 2.94 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है। इसके अलावा, धुरंधर के टिकटों की कीमत असामान छू रही है। शुक्रवार को नियमित प्रारूप के लिए फिल्म के टिकट की औसतन कीमत 307 रुपये है, जो रविवार को बढ़ जाती है। रिपोर्ट के मुताबिक, आइमैक्स स्क्रीनिंग के लिए धुरंधर के औसत टिकट की कीमत सप्ताहांत पर करीब 570 रुपये है। वहीं दिल्ली और मुंबई में रविवार के लिए रिक्लाइनर सीटों की कीमत 1,600 रुपये रखी गई है। फिल्म के सबसे ज्यादा टिकट दिल्ली के वसंत कुंज स्थित पीवीआर डायरेक्टर्स कट में 2,400 रुपये में मिल रहे हैं।

तेरे इश्क में ने कमाई में गिरावट के बावजूद तोड़ा ये रिकॉर्ड, गुस्ताख दिल धड़ाम हुई

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सैनन और धनुष की फिल्म तेरे इश्क में 28 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। आनंद एल राय के निर्देशन में बनी इस फिल्म को समीक्षकों और दर्शकों की साकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। बॉक्स ऑफिस पर रिलीज के 4 दिन पूरे कर चुकी इस फिल्म ने अब शानदार रिकॉर्ड बना लिया है। दूसरी तरफ, विजय वर्मा अभिनीत फिल्म गुस्ताख दिल और फिल्म 120 बहादुर सुस्त पड़ी हैं जो अब अपनी आखिरी सांसें गिन रही है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, तेरे इश्क में ने पहले सोमवार यानी रिलीज के चौथे दिन 8.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। वीकेंड की कमाई देखें तो इसने 16 करोड़ से आपेनिंग लेकर दूसरे दिन 17 करोड़ और तीसरे दिन 19 करोड़ कमाए थे। तेरे इश्क में का कुल कलेक्शन 60.25 करोड़ रुपये हो गया है। दिलचस्प बात ये है कि सिर्फ 4 दिनों में इसने धनुष और सोनम कपूर की रांझणा (60.22 करोड़) का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। फातिमा सना शेख और विजय की रोमांटिक–ड्रामा फिल्म गुस्ताख दिल रिलीज के पहले दिन से बॉक्स ऑफिस पर संघर्ष कर रही है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने चौथे दिन सिर्फ 6 लाख रुपये कमाए हैं।

स्टीव स्मिथ ने रचा इतिहास, ग्रेग चैपल का महारिकॉर्ड तोड़कर दुनिया के पहले खिलाड़ी बने

नई दिल्ली। ब्रिस्बेन के गाबा में इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे एशेज टेस्ट में स्टीव स्मिथ ने इतिहास रच दिया। ऑस्ट्रेलिया के स्मिथ को अक्सर आधुनिक युग के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक माना जाता है, लेकिन उन्होंने फील्डिंग में ही हाई मानक सेट किए हैं।

स्मिथ ने पहले दिन हैरी ब्रुक का शानदार कैच लपका और फील्डिंग में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। स्मिथ अब टेस्ट मैचों में किसी टीम के खिलाफ किसी फील्डर द्वारा सर्वाधिक कैच लेने का रिकॉर्ड अपने नाम कर चुके हैं।

62वां कैच लिया

हैरी ब्रुक का यह कैच इंग्लैंड के खिलाफ फील्डर के रूप में उनका 62वां कैच था। उन्होंने ग्रेग चैपल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। चैपल ने इंग्लैंड के खिलाफ 61 कैच लिए थे। इयान बॉथम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तो एलन बॉर्डर ने इंग्लैंड के विरुद्ध 57–57 कैच लपके हैं।

टेस्ट में भी पीछे नहीं

स्मिथ टेस्ट मैचों में सर्वाधिक कैच लेने के रिकॉर्ड की भी दौड़ में शामिल हैं। वह 121 मुकाबालों में अब तक 206 कैच ले चुके हैं और में सबसे ज्यादा कैच लपकने वाले फील्डर्स की लिस्ट में तीसरे नंबर हैं। जो रूट 213 कैच के साथ पहले और 210 कैच के साथ राहुल द्रविड़ दूसरे पायदान पर हैं।

एशेज सीरीज का हाल

ऑस्ट्रेलिया टीम एशेज सीरीज में 1–0 से आगे है। सीरीज का दूसरा टेस्ट गाबा में खेला जा रहा है। स्मिथ का गाबा में शानदार रिकॉर्ड रहा है। उन्होंने 54.47 की औसत से 926 रन बनाए हैं, जिनमें चार शतक शामिल हैं। पर्थ टेस्ट की पहली पारी में कप्तान स्मिथ ने 49 गेंदों पर 17 रन की पारी खेली थी। वहीं दूसरी पारी में उन्होंने नाबाद 2 रन बनाए थे। कंगारू टीम ने इस मुकाबले को 8 विकेट से जीता था।

टेस्ट में स्मिथ का प्रदर्शन

स्टीव स्मिथ ने अपने करियर में अब तक 120 टेस्ट मैच खेले हैं। इस दौरान 214 पारियों में उन्होंने 55.82 की औसत और 53.63 की स्ट्राइक रेट से 10496 रन बनाए हैं। टेस्ट में स्मिथ के नाम 36 शतक और 43 अर्धशतक दर्ज हैं। 239 इस फॉर्मेट में उनका बेस्ट स्कोर है।

एक्टर अरुण विजय की फिल्म रेट्टा थाला रिलीज डेट से उठा पर्दा

डायरेक्टर कृष थिरुकुमारन की बेसब्री से इंतज़ार की जा रही एक्शन एंटरटेनर, रेट्टा थाला, जिसमें एक्टर अरुण विजय लीड रोल में हैं, अब 18 दिसंबर को दुनिया भर में स्क्रीन पर आएगी, इसके मेकर्स ने अब अनाउंस किया है।

फिल्म ने लोगों की दिलचस्पी बढ़ा दी है क्योंकि अरुण विजय इस ज़बरदस्त एक्शन थ्रिलर में दो किरदार निभाते दिखेंगे।

एक्टर ने पहले कहा था, रेट्टा थाला एक ज़बरदस्त एक्शन थ्रिलर है जो इस बारे में होगी कि क्या होता है जब सभी लोगों में ग्रे शेड्स एक साथ दिखने लगते हैं।मेकर्स द्वारा रिलीज़ किए गए एक टीज़र में इंटेंस प्लॉट और फिल्म में अरुण विजय के दो किरदारों की एक झलक मिली। टीज़र से यह साफ़ था कि एक किरदार का नाम मालपे उपेंद्र था, अरुण विजय ने बताया कि फिल्म में उनके द्वारा निभाए गए दूसरे किरदार का नाम काली था।उन्होंने कहा, हमने टीज़र में सिर्फ़ एक किरदार का नाम रिलीज़ किया था। दूसरा किरदार जो मैं निभा रहा हूँ वह काली है, और आगे बताया कि फिजिकली डिमांडिंग रोल निभाना काफी चैलेंजिंग था, खासकर इसलिए क्योंकि अपनी पिछली फिल्म वनंगान पर काम करते समय उन्हें गंभीर एसीएल टियर हुआ था।

अरुण विजय ने पहले बताया था, बाला सर चाहते थे कि वनांगन के लिए मेरा लुक ढीला–ढाला हो। इसलिए, मैंने उस रोल के लिए लगभग डेढ़ साल तक वर्कआउट नहीं किया। इसके अलावा, मुझे गंभीर चोटें आईं, जिसमें मेरे बाएं घुटने में एसीएल टियर भी शामिल है।

तेंदुलकर के सामने वैभव फेल, रिंकू ने खेली 240 की स्ट्राइक रेट से पारी

नई दिल्ली। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 में 4 दिसंबर को कई रोमांचक मुकाबले खेले गए। भारतीय क्रिकेट के उभरते सितारों में से एक 14 साल के वैभव सूर्यवंशी का सयैद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 में गोवा के खिलाफ खेले गए मुकाबले में बल्ले से एक बार फिर से विस्फोटक अंदाज देखने को मिला। वहीं, बंगाल के लिए शमी और आकाश दीप ने मैच जिताऊ गेंदबाजी की। यूपी के लिए रिंकू सिंह ने 240 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए।

सैमसन–शराफुद्दीन और आसिफ ने केरल को दिलाई जीत

संजू सैमसन, शराफुद्दीन और केएम आसिफ के शानदार प्रदर्शन के दम पर केरल ने लखनऊमें मुंबई को 15 रनों से हराकर सीजन की पहली हार का स्वाद चखाया। सैमसन ने 28 गेंद पर 46 रन बनाकर टीम के लिए अच्छी शुरुआत की। विष्णु विनोद ने 40 गेंद पर नाबाद 43 रन बनाए, लेकिन शराफुद्दीन ने 15 गेंद पर नाबाद 35 रनों की पारी खेलकर टीम को 5 विकेट पर 178 रन तक पहुंचाया। इसके बाद शराफुद्दीन ने इसके बाद आयुष म्हात्रे को पहले ही ओवर में आउट कर दिया। हालांकि, अजिंक्य रहाणे (18 गेंदों पर 32 रन) और सरफराज खान (40 गेंदों पर 52 रन) ने मुंबई को आगे बढ़ाया। सरफराज के आउट होने तक मुंबई को आठ ओवरों में 80 रन चाहिए थे। सूर्यकुमार यादव ने इसे तीन ओवरों में 31 रनों तक सीमित कर दिया, लेकिन 18वें ओवर में आसिफ के तीन विकेट ने मुंबई की कमर तोड़ दी। उन्हें आखिरी ओवर में 18 रन चाहिए थे और दो विकेट बाकी थे। आसिफ ने पारी समेटने और अपने पांच विकेट पूरे करने में केवल चार गेंदें लीं।

बदोनी का ऑलराउंड प्रदर्शन

दिल्ली के आयुष बदोनी के 35 गेंद में 53 रन और 12 रन देकर 4 विकेट, प्रियांश आर्य और तेजस्वी दहिया के अर्धशतकों की बदौलत दिल्ली ने अहमदाबाद में ग्रुप डी के एक बड़े स्कोर वाले मुकाबले में कर्नाटक को 45 रनों से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए, दिल्ली ने 20 ओवर में 3 विकेट पर 232 रन बनाए। इसके बाद देवदत्त पडिक्कल ने 38 गेंद में 62 रन और आर स्मरण ने 38 गेंदों में 72 रन बनाए, लेकिन बाकी बल्लेबाजों से कम सहयोग मिलने पर कर्नाटक की टीम 19.3 ओवर में 187 रन पर आउट हो गई।

एक नजर

छात्रों ने किया आंचल डेयरी का भ्रमण

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल विवि के अर्थशास्त्र विभाग के बीए पांचवें सेमेस्टर के छात्रों ने गुरुवार को आंचल डेयरी, यूडीपीएल श्रीनगर का शैक्षणिक भ्रमण किया। अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. एससी सती के दिशा-निर्देशन में हुए शैक्षणिक एवं औद्योगिक भ्रमण में छात्रों को डेयरी लैब का विस्तृत अवलोकन कराया गया। उन्होंने दूध की गुणवत्ता परीक्षण प्रक्रिया, विभिन्न मशीनरी, दुग्ध प्रसंस्करण तकनीक एवं डेयरी प्रबंधन प्रणाली के बारे में जानकारी दी गई। शैक्षणिक भ्रमण के पर्यवेक्षक डा. चंद्रशेखर जोशी ने बताया कि शैक्षणिक भ्रमण का प्रमुख उद्देश्य छात्रों को डेयरी उद्योग की व्यवहारिक कार्यप्रणाली, गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली एवं दुग्ध प्रसंस्करण के आधुनिक तरीकों से अवगत कराना था। बताया कि भ्रमण के दौरान छात्रों ने अनेक तकनीकी पहलुओं को समझते हुए मूल्यवान अनुभव प्राप्त किए। इस मौके पर अंकित रावत, वंदना, श्रवण कुमार शर्मा, मनमोहन सिंह सहित आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

चार वाहन सीज, 23 के कटे चालान

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिले की पुलिस यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है। जहां नशे में वाहन चलाने पर वाहनों को सीज किया जा रहा है, वहीं नियमों की अनदेखी करने पर चालान किये जा रहे है। जिले में पुलिस ने नशे में वाहन चलाने पर चार वाहनों को सीज किया और 23 के चालान किए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार ने बताया कि चेकिंग अभियान के दौरान नशे में वाहन चलाने वालों पर कोतवाली कोटद्वार व यातायात कोटद्वार में दो-दो वाहन सीज किए गए। रेस ड्राइविंग, ओवर लोडिंग, बिना हेलमेट आदि मामलों में पुलिस ने 23 के चालान काटे। इसमें पौड़ी में पांच, कोटद्वार दो यातायात कोटद्वार तीन, यातायात श्रीनगर सात व लक्ष्मणझूला में छः मामले शामिल हैं।

पुरोला-पोरा मोटर मार्ग कई जगहों से बना है जोखिम भरा

उत्तरकाशी : पिछले वर्ष जुलाई में आई आपदा के बाद से रामासिराई पट्टी की जीवन रेखा माने जाने वाला पुरोला-पोरा-गुंडियाट गांव मोटर मार्ग आज भी बदहाल स्थिति में है। कमल नदी के कटाव और भूस्खलन से जगह-जगह क्षतिग्रस्त हो चुका यह मोटर मार्ग कई हिस्सों में नालियों में तब्दील हो गया है, जिससे दर्जनों गांवों के हजारों लोगों का आवागमन संकट में है। ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है क्योंकि आठ माह बाद भी सड़क निर्माण व मरम्मत का कार्य शुरू नहीं हो पाया है। छाड़ा, रतेडी सहित कई गांवों की खेती योग्य भूमि पिछली आपदा में नष्ट हो गई थी, जबकि इस मार्ग के खराब होने से कोटी, मोलटाड़ी, कुमारकोट, भद्राली, जवाहर नवोदय विद्यालय, छिबाला, देवढुंग, पोरा और गुंदियाट गांव आदि के लोगों को बाजार, अस्पताल और मंडी तक पहुंचने में भारी दिक्कतें झेलनी पड़ रही हैं। छात्रों के आवागमन से लेकर टमाटर, मटर तथा अन्य नगदी फसलों की ढुलाई भी बाधित है। ग्रामीणों का कहना है कि मोटर मार्ग की स्थिति इतनी खराब है कि रोजमर्रा की आवाजाही भी जोखिम से भरी है। पूर्व प्रधान राजपाल पंवार, अंकित, नवीन गैरोला, उपेंद्र रावत, त्रिभुवन सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि विभाग को कई बार मौखिक और लिखित शिकायत दी गई, लेकिन अब तक कोई कार्यवाही नहीं हुई। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि सड़क का सुधार कार्य जल्द शुरू नहीं हुआ तो वे आंदोलन करेंगे।

युवा सांसद में जमकर हुये सवाल-जवाब

नई टिहरी : राजकीय महाविद्यालय खाड़ी में युवा सांसद के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय के विभिन्न छात्र-छात्राओं ने युवा सांसदों की भूमिका निभाई। सर्वप्रथम सदन में लोकसभा अध्यक्ष का आगमन हुआ सभी सांसदों ने उनका स्वागत किया। तत्पश्चात वर्ष 2025 में विभिन्न स्थानों पर आई आपदा में हुये हताहतों व पूर्व कैबिनेट मंत्री दिवाकर भट्ट के निधन पर सदन में श्रद्धांजलि व शोक की गई। अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही प्रारंभ करते हुए प्रश्नकाल के दौरान विपक्ष को सरकार से विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछने के लिए आमंत्रित किया। विपक्ष की भूमिका में विपिन, तनीषा, खुशी, सिमरन, कृष, प्रीति, रंजन और आयुषी ने प्रश्न पूछे। जिसमें सरकार की तरफ से रक्षा मंत्री, विदेश मंत्री, स्वास्थ्य मंत्री, शिक्षा मंत्री, खाद्य मंत्री, पर्यावरण मंत्री, तकनीकी व संचार मंत्री उत्तराखंड के सांसदों ने संतोषजनक जवाब दिए। प्रधानमंत्री ने भारत के सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, तकनीकी विकास के क्षेत्र में होने वाले कार्यों पर अपने विचार रखें।

महोत्सव की तैयारी पूरी, आज नगर में निकलेगी भव्य झांकी

महोत्सव को लेकर सजा सिद्धबली मंदिर

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार में सिद्धबली महोत्सव आज पांच दिसंबर से शुरु होगा। शुक्रवार शाम शहर में बाबा की भव्य झांकी निकाली जाएगी। तीन दिवसीय इस महोत्सव के दौरान जहां एक ओर धर्म की बयार बहेगी, वहीं संस्कृति के विभिन्न रंग भी नजर आएंगे। कोटद्वार के प्रसिद्ध श्री सिद्धबली मंदिर में आयोजित होने वाले तीन दिवसीय श्री सिद्धबली बाबा वार्षिक अनुष्ठान के दौरान इस मर्तबा धर्म के साथ संस्कृति की बयार बहेगी। मेले के प्रथम दिवस पर निकलने वाली सिद्धबाबा की शोभायात्रा के दौरान जहां एक ओर सड़कों पर निकलने वाली झाकियों में धार्मिक रंग नजर आएगा, वहीं चार स्थानों पर गढ़वाल की संस्कृति की झलक प्रस्तुत होगी। शुक्रवार सुबह प्रातः पांच बजे पिंडी महाभिषेक पं. अशोक जदली के नेतृत्व में होगा। तदुपरांत वैदिक मंत्रोच्चार के बीच खोह नदी से जल कलश लेकर बालिकाएं यज्ञशाला में पहुंचेंगी, जहां एकादशी कुंडीय यज्ञ शुरू होगा। पंडित देवी प्रसाद भट्ट के दिशा-निर्देशन में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच यज्ञ की अग्नि शुक्रवार सुबह ही प्रज्वलित की जाएगी। मंदिर में गीता नेगी की ओर से सुंदर कांड का पाठ किया जाएगा।

देवी मंदिर तक जाएगी शोभायात्रा

कोटद्वार : श्री सिद्धबली बाबा वार्षिक अनुष्ठान के दौरान निकलने वाली शोभायात्रा का समापन देवी मंदिर में होगा। मंदिर समिति के अध्यक्ष डा. जगदंबा प्रसाद ध्यानी ने बताया कि झांकी बद्रीनाथ मार्ग में टाटा कामर्शियल मोटर से शुरू होकर झंडा चौक, नजीबाबाद चौक से होकर देवी मंदिर में पहुंच कर संपन्न होगी। इस दौरान झंडाचौक पर प्रसिद्ध साधो बैंड की प्रस्तुति भी होगी।

मेले में आज कल

प्रातः पांच बजे : पिंडी महाभिषेक, रूद्रीपाठ व आरती (पं. अशोक जदली के नेतृत्व में)

प्रातः सात बजे : कलश यात्रा, मंदिर परिक्रमा एवं ध्वज पूजा

प्रातः आठ बजे : एकादश कुंडीय यज्ञ का शुभारंभ (पं. देवी प्रसाद भट्ट के नेतृत्व में)

प्रातः दस बजे : सुंदर कांड

सांय चार बजे : श्री सिद्धबाबा की भव्य शोभायात्रा

मणिपुर के 20 बच्चों ने किया आर्मी पब्लिक स्कूल लैंसडौन का भ्रमण

जयन्त प्रतिनिधि।

लैंसडौन : ऑपरेशन सदभावना के तहत मणिपुर के विभिन्न स्कूलों के बीस छात्र-छात्राओं ने आर्मी पब्लिक स्कूल मणिपुर का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने विद्यालय की विभिन्न प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय, कक्षाओं तथा अन्य प्रमुख शैक्षिक स्थलों का अवलोकन किया। यह अनुभव बच्चों के लिए एक एक्सचेंज प्रोग्राम जैसा सार्थक, ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक रहा।

ऑपरेशन सदभावना भारतीय सेना द्वारा प्रारंभ किया गया एक नागरिक/सैन्य कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य दूर दराज एवं संवेदनशील क्षेत्रों में विकास, शिक्षा, आपसी विश्वास और सद्भाव को बढ़ावा देना है। इसी के अंतर्गत गुरूवार मणिपुर के विभिन्न स्कूलों के 20 छात्र-छात्राओं ने अपने अध्यापकों के साथ आर्मी पब्लिक स्कूल लैंसडौन का भ्रमण किया। छात्र-छात्राओं का विद्यालय पहुंचने पर स्वागत किया गया। इसके उपरांत प्रधानाचार्य ने एक प्रस्तुति के माध्यम से विद्यालय की शैक्षिक, सहशैक्षिक एवं आधारभूत सुविधाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान बच्चों के साथ एक संवादात्मक (इंटर एक्टिव) सत्र आयोजित किया गया। प्रधानाचार्य ने विद्यालय के चेयरमैन ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी, वीएसएम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों को विभिन्न संस्कृतियों को समझने, नए वातावरण से सीखने और व्यापक दृष्टिकोण विकसित करने का अवसर प्रदान करते हैं।

पांडवाज के कलाकारों के नाम रही मेले की अंतिम सांस्कृतिक संध्या

उत्तरकाशी : रवांई शरदोत्सव मेले की अंतिम सांस्कृतिक संध्या पांडवाज के कलाकारों के नाम रही। कलाकारों ने अपने एक से बढ़ कर एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों से मेले में धूम मचा दी। बड़ी बेसबरी से इस स्टार नाइट की इंजारी कर रहे हजारों की संख्या में दर्शक यहां पहुंचे और देर रात तक पांडवाज के कलाकरों की प्रस्तुतियों पर जमकर झूमे। बड़कोट स्थित हैलीपेड में आयोजित रवांई शरदोत्सव की अंतिम सांस्कृतिक संध्या में पांडवाज बैंड ने गढ़वाली, कुमाउनी, जागर, पांडव नृत्य आदि विभिन्न विधाओं पर आधारित लोक गीतों से रवांई के जनमानस पर गहरी छाप छोड़ी। नगर पालिका बड़कोट के तत्वाधान में आयोजित सात दिवसीय रवांई शरदोत्सव सांस्कृतिक, पर्यटन विकास मेले की अंतिम सांस्कृतिक संध्या का बुधवार को बतौर मुख्यातिथि मुनिकीरेती नगर पालिका अध्यक्ष नीलम बिजल्वाण ने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया।रवांई शरदोत्सव मेले को विशाल एवं भव्य स्वरूप देने के लिए उन्होंने विनोद डोभाल नगर पालिका अध्यक्ष बड़कोट को बधाई और शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष विनोद डोभाल एवं नगर पालिका सभाषदों व कर्मचारियों द्वारा मेले में पहुंचे सभी अतिथियों को बैज अलंकरण कर शॉल ओढ़कर स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। विनोद डोभाल ने मेले को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में सहयोग के लिए सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

उन्होंने कहा कि रवांई शरदोत्सव की सांस्कृतिक संध्या का समापन हो गया है। लेकिन, मेले में सामान की खरीदारी क्षेत्रवासी रविवार तक कर सकते हैं। इस मौके पर यमुनोत्री विधायक संजय डोभाल, बड़कोट पालिकाध्यक्ष विनोद डोभाल, मुनिकीरेती पालिकाध्यक्ष नीलम बिजल्वाण, ब्लॉक प्रमुख सरोज पंवार, अजबीन पंवार, चिन्यालीसौड़ पालिकाध्यक्ष मनोज कोहली, माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अवतार चौहान, दया गैरोला, जयदेव राणा, सोहन गैरोला, प्रेम सिंह रावत, जोगेंद्र चौहान सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। (एजेंसी)

महोत्सव को लेकर बदला यातायात रूट

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : तीन दिवसीय सिद्धबली वार्षिक अनुष्ठान को लेकर यातायात पुलिस ने भी तैयारियां पूरी कर ली है। मंदिर को जाने वाले रूट पर जाम की स्थिति न बने, इसके लिए यातायात में बदलाव किया गया है। यातायात निरीक्षक संदीप कुमार ने बताया कि पर्वतीय क्षेत्रों को जाने वाले सभी वाहन शहर में प्रवेश करने के बजाय कौड़िया-बालासौड़ तिराहा-देवी रोड मार्ग-घराट रोड-डिग्री कालेज होते हुए दुगड्डा की ओर निकलेंगे। दुगड्डा की ओर से मैदान आने वाले चार पहिया वाहनों को बुद्धा पार्क-डिग्री कालेज रोड की ओर डायवर्ड किया जाएगा। सनेह की ओर से किसी भी चौपहिया वाहन को सिद्धबली मार्ग की ओर प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। आटो, ई-रिक्शा को गिवईस्रोत पुल व पुलिंडा तिराहे पर ही रोक दिया जाएगा। ग्रास्टनगंज की ओर से आने वाले वाहनों को बदरीनाथ मार्ग महाविद्यालय को जाने वाली सड़क के समीप रोक दिया जाएगा। नजीबाबाद चौराहे से आने वाले ट्रैक्टर, बस व चौपहिया वाहनों की पार्किंग डिग्री कालेज ग्राउंड में होगी। पौड़ी की ओर से आने वाले वाहनों की पार्किंग वन विभाग, लोक निर्माण विभाग व जल संस्थान के समीप होगी। भीड़ की स्थिति में सिद्धबली बैरियर के आगे स्थित अतिरिक्त पाकेट पार्किंग में भी सीमित वाहनों को पार्क कराया जाएगा।

मेरूड़ा को मिला सर्वश्रेष्ठ प्रबंधन समिति का पुरस्कार

संकुल केंद्र मठाली में बच्चों को सम्मानित करते सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वार : समग्र शिक्षा अभियान के तहत जयहरीखाल ब्लाक के संकुल केंद्र मठाली में बुधवार को सपनों की उड़ान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संकुल मठाली के अंतर्गत आने वाले प्राथमिक विद्यालयों तथा उच्च प्राथमिक विद्यालयों से आए छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

इस दौरान राप्रावि मेरूड़ा को सर्वश्रेष्ठ प्रबंधन समिति का पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम का आरंभ मुख्य अतिथि जयश्री कंडवाल व विशिष्ट अतिथि भूतपूर्व ग्राम प्रधान मेरूड़ा दीनदयाल जदली व अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। तत्पश्चात आयोजित प्रतियोगिताओं के अंतर्गत जूनियर वर्ग के नुक्कड़ नाटक में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय खुबानी ने प्रथम तथा राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय पैनलगांव ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। लोक गायन में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय पैनलगांव ने प्रथम तथा राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय खुबानी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्राथमिक वर्ग की मैथ्स विजार्ड प्रतियोगिता में राजकीय प्राथमिक विद्यालय बड़गांव ने प्रथम राजकीय प्राथमिक विद्यालय सिद्धपुर ने द्वितीय तथा राजकीय प्राथमिक विद्यालय खुबानी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इंग्लिश स्पेल जीनियस में राजकीय प्राथमिक विद्यालय सिद्धपुर ने प्रथम राजकीय प्राथमिक विद्यालय खुबानी ने द्वितीय तथा राजकीय प्राथमिक विद्यालय ल्वींठा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। टीएलएम प्रदर्शनी में राजकीय प्राथमिक विद्यालय बड़गांव ने प्रथम, राजकीय प्राथमिक विद्यालय मेरुड़ा ने द्वितीय तथा राजकीय प्राथमिक विद्यालय खर्का ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्राथमिक वर्ग की लोकनृत्य प्रतियोगिता में राजकीय प्राथमिक विद्यालय खर्का ने प्रथम, राजकीय प्राथमिक विद्यालय बड़गांव ने द्वितीय तथा राजकीय प्राथमिक विद्यालय मेरुड़ा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता में राजकीय प्राथमिक विद्यालय सिलवाड़ ने प्रथम, राजकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय पैनलगांव ने द्वितीय तथा राजकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय खुबानी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस दौरान ज्योति बौंठियाल, बीना रावत, पूनम बिष्ट, अनिल रावत और राजीव थपलियाल आदि शिक्षक मौजूद रहे।

हंगामेदार रही बोर्ड बैठक, 40 प्रस्ताव पास

कोटद्वार नगर निगम की बोर्ड बैठक में एजेंडे पर चर्चा के दौरान अपना विरोध दर्ज करते पार्षद

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कोटद्वार नगर निगम में गुरुवार को बोर्ड बैठक का आयोजन किया गया। पूर्व में हुई बैठक के प्रस्ताव धरातल पर नहीं उतरने से नाराज पार्षदों ने रोष व्यक्त किया। बैठक में 40 प्रस्ताव पास हुए।

महापौर शैलेंद्र सिंह रावत की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में पार्षदों ने पूर्व में हुई बैठक के प्रस्ताव पर कार्य नहीं होने पर नाराजगी व्यक्त की। कहा कि नगर निगम को इसके लिए गंभीरता से कार्य करना चाहिए। बैठक के दौरान एजेंडे में शामिल कुछ बिंदुओं पर सदस्यों ने जमकर हंगामा किया। एजेंडे में चूना, ब्लीचिंग फिनाइल सहित अन्य सफाई संबंधी सामग्री की खरीद संबंधी प्रस्ताव पर पार्षद भड़क गए। कहना था कि पूर्व में दो ट्रक ब्लीचिंग व चूना निगम में आया था। लेकिन, वह पार्षदों को उनके वार्डों में डालने के लिए नहीं मिला। पार्षदों ने निगम पर चूना व ब्लीचिंग को बाजार में बेचने का आरोप लगाया। इस पर नगर आयुक्त पीएल शाह ने मामले की जांच के लिए कमेटी गठित करने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया, जिस पर पार्षद शांत हुए। कूड़ा एकत्रीकरण के लिए वाहन खरीद संबंधी मुद्दे पर भी पार्षदों ने शिकायत की। उनका कहना था कि डोर-टू-डोर कूड़ा एकत्रीकरण को पूर्व में लगे वाहन कई वार्डों में नहीं पहुंच रहे हैं। साथ ही संबंधित ठेकेदार का भी कहीं पता नहीं रहता। इस पर महापौर शैलेंद्र सिंह रावत ने कहा कि जल्द ही नगर निगम को बीस नए वाहन मिल रहे हैं, जिसके बाद प्रत्येक वार्ड में कूड़ा एकत्रीकरण में कोई परेशानी नहीं होगी।

पुलिस ने सघन चेकिंग अभियान चलाया

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिले में कानून व यातायात व्यवस्था को सुचारू करने के लिए पुलिस ने सभी थाना क्षेत्रों में व्यापक रूप से सघन चेकिंग अभियान चलाया। पुलिस टीमों ने अंतर राज्यीय सीमाओं, अंतर जनपदीय बैरियरों, नेशनल हाईवे, मुख्य मार्गों, टैक्सी व बस स्टैंड के साथ ही बाजार क्षेत्रों एवं प्रमुख पर्यटन स्थलों पर वाहनों की चेकिंग की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार ने बताया कि जनपद में पुलिस टीमों ने सतर्कता के साथ वाहनों एवं चालकों की जांच की। चेकिंग के दौरान ट्रॉलियों, मालवाहक वाहनों और सील कंटेनरों की भौतिक जांच, वाहन चालकों के डीएल, आरसी, बीमा आदि की जांच की गई। इस दौरान बाहरी जिलों एवं राज्यों से आने वाले व्यक्तियों के आगमन उद्देश्य, यात्रा अवधि के साथ ही संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ करते हुए उनके रिकॉर्ड व पृष्ठभूमि का सत्यापन किया गया। इस अभियान का उद्देश्य जनपद की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाते हुए संदिग्ध गतिविधियों, अवैध आवागमन एवं संभावित अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण करना है।

पौड़ी के तीन खिलाड़ियों का नेशनल फुटबाल प्रतियोगिता के लिए चयन

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिले के तीन खिलाड़ियों का पुरुष वर्ग की अखिल भारतीय सिविल सर्विसेज फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है। जनपद के खिलाड़ियों की यह उपलब्धि न केवल उनकी मेहनत का परिणाम है, बल्कि पौड़ी जिले के खेल विकास और बढ़ते खेल-सांस्कृतिक वातावरण का भी प्रतिबिंब है।

उत्तराखण्ड राज्य की टीम में जिले के जिला क्रीड़ा अधिकारी जयवीर रावत के साथ युवा कल्याण विभाग के विमल लसपाल व पशु चिकित्सा विभाग से भावेश जदली का चयन किया गया है। इन खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन, अनुशासन और कौशल के दम पर टीम में स्थान बनाकर जनपद का मान बढ़ाया है। अखिल भारतीय सिविल सर्विसेज फुटबॉल पुरुष वर्ग प्रतियोगिता 8 से 15 दिसबर तक गोवा में आयोजित होगी। टीम के लिए कुल 22 खिलाड़ियों का चयन किया गया है, जबकि 4 खिलाड़ियों को प्रतीक्षा सूची में रखा गया है। यदि किसी कारण से कोई चयनित खिलाड़ी प्रतिभाग नहीं कर पाता है, तो प्रतीक्षारत खिलाड़ी को अवसर प्रदान किया जायेगा। खिलाड़ियों के चयन से पौड़ी जनपद में प्रसन्नता का वातावरण है और उन्हें प्रतियोगिता के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी जा रही हैं।

विवादित बयान देने पर रेवत रेड्डी का फूंका पुतला

कोटद्वार के झंडाचौक में रेवंत रेड्डी का पुतला दहन करते युवा मोर्चा कार्यकर्ता

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : सनातन धर्म को लेकर दिए गए विवादित बयान पर भाजयुमो ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवत रेड्डी का पुतला दहन किया।

गुरुवार को युवा मोर्चा कार्यकर्ता झंडाचौक के समीप एकत्रित हुए। यहां उन्होंने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के खिलाफ नारेबाजी की। कहा कि रेवंत रेड्डी सनातन धर्म को लेकर विवादित बयान दे रहे हैं। जिसका युवा मोर्चा विरोध करता है। कहा कि कांग्रेस सहित अन्य महागठबंधन हिंदुत्व के खिलाफ काम कर रहे हैं।

इससे विपक्ष की विचार धारा का पता चलता है। कहा कि देश में सनातन को लेकर विवादित टिप्पणी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। रेवंत रेड्डी को पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए। कहा कि रेवंत रेहड्डी की विवादित बयान देने की आदत पड़ गई है। ऐसे में उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी की जानी चाहिए। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष राजगौरव नौटियाल, शांता बमराड़ा, अभिषेक नेगी, सौरभ नौडियाल, यमन डबराल, विजय रावत, आशेषी रौतेला, नयन मोंगिया सहित अन्य मौजूद रहे।

छात्रों ने सीखें से आपदा से निपटने के गुर

नई टिहरी : ब्लाक चंबा के राजकीय इंटर कॉलेज बगासूधार में आपदा प्रबंधन विभाग के ट्रेनरों ने जागरूकता, लाइफ सेफ्टी पर आधारित प्रशिक्षण छात्रों व स्टाफ को ब्लाक चंबा के जीआईसी बगासूधार में आपदा प्रबंधन विभाग के ट्रेनरों ने जागरूकता, लाइफ सेफ्टी पर आधारित प्रशिक्षण छात्रों व स्टाफ को दिया। इस मौके पर प्रशिक्षकों ने छात्रों से आपदा में प्रशिक्षण से सीखी गई विधाओं को तत्परता से प्रयोग करें और आपदा से निपटने में सभी प्रकार की जागरूकताओं का प्रयोग करें। डीएम नितिका खंडेवाल के निर्देश पर जीआईसी बगासूधार में आपदा प्रबंधन विभाग ने एक दिवसीय आपदा न्यूनीकरण व त्वरित राहत-बचाव कार्य एवं जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। जिसके तहत जनपद आपदा प्रबंधन प्राधिकरण टिहरी के मास्टर ट्रेनर अनिल सकलानी ने प्रशिक्षण व जनजागरूकता की अहम जानकारियां छात्रों व स्टाफ को दी। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के अंतर्गत विद्यमान तथा संभावित प्राकृतिक आपदाओं के विषय में जानकारी दी गई। आपदा के प्रकार आपदा के पहले, आपदा के दौरान और पश्चात की कार्यवाही के बारे में बताया गया। जिसमें आपदा से पूर्व तैयारी, सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन के बारे में प्रशिक्षण दिया गया। बेसिक उपकरणों की जानकारी, आपातकालीन स्थिति के समय क्या करें, स्ट्रेचर बनाना, प्राथमिक उपचार, सीपीआर, आग से बचने के तरीके और बाढ़ से बचाव के तरीके आदि संबंधित जानकारी दी गई, साथ ही जनपद आपातकालीन, राज्य आपातकाल के आपातकालीन के टोल फ्री नंबरों की जानकारी साझा की गई। विद्यालय परिसर के सुरक्षित स्थान एवं निकासी मार्गों की भी जानकारी दी गई।

अधिवेशन संपन्न, भवान सिंह नेगी बने अध्यक्ष

आयोजित अधिवेशन में भाग लेते सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : राजकीय शिक्षक संघ पौड़ी के जनता इंटर कालेज मोटाढ़ाक में आयोजित जनपद स्तरीय अधिवेशन के द्वितीय दिवस पर बुधवार को संघ की नवीन कार्यकारिणी के चुनाव संपन्न हुए। चुनाव में भवान सिंह नेगी अध्यक्ष व बिजेंद्र सिंह बिष्ट ज़िला मंत्री निर्वाचित हुए जबकि ज़िला उपाध्यक्ष पद पर पूरण सिंह नेगी, संयुक्त मंत्री पद पर अनिल नेगी व संगठन मंत्री पद पर दिनेश चंद्र पाठक निर्वाचित हुए। बुधवार को देर रात तक चली मतगणना के बाद चुनाव परिणामों की घोषणा करते हुए प्रधानाचार्य व मुख्य निर्वाचन अधिकारी रविन्द्र सिंह रावत व सहायक निर्वाचन अधिकारी डॉ. महावीर सिंह बिष्ट ने बताया कि अध्यक्ष पद भवान सिंह नेगी ने वरदान बुड़ाकोटी को 64 मतों के अंतर से हराया। वहीं जिला उपाध्यक्ष पद पर पूरण सिंह नेगी ने पंकज मुयाल को 164, जिला मंत्री पद पर बिजेंद्र सिंह बिष्ट ने किशोर कुमार बिडालिया को 605, संयुक्त मंत्री पद पर अनिल नेगी ने महेन्द्र गुसाईं को 392 व संयुक्त मंत्री पद पर दिनेश चंद्र पाठक ने दिनेश कुमार उनियाल व पूरण चंद्र धूलिया को कुल मिलाकर 207 मतों के अंतर से हराया। वहीं महिला शाखा में जिला संगठन मंत्री पद पर शैलजा जोशी, जिला उपाध्यक्ष पद पर शिक्षा रावत व जिला महिला संयुक्त मंत्री पद पर विमला तड़ियाल निर्विरोध निर्वाचित हुईं। मौके पर सभी निर्वाचित पदाधिकारियों को विजेता प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। साथ ही मण्डलीय संयुक्त मंत्री पंकज ध्यानी द्वारा समस्त निर्वाचित जिला कार्यकारिणी को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर डा. पदमेश बुडाकोटी, बिजेंद्र तोमर, संजय रावत, राजीव शर्मा, दीपक गौड़, मनमोहन चौहान, अतुल दर्शन बिष्ट व गणेश पसबोला सहित अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

नैटवाड़ में जाम लगने से ग्रामीण व पर्यटक परेशान

उत्तरकाशी : मोरी तहसील मुख्यालय से 11 किमी. की दूरी पर स्थित नैटवाड़ बाजार में जाम की समस्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। संकरी सड़क पर खड़े आड़े तिरछे वाहनों के कारण यहां हर दिन जाम की समस्या बनी रहती है। इससे सांकरी एवं हरकीदून घाटी की सैर करने पाहुंच रहे पर्यटकों एवं स्थानीय लोगों को घंटों जाम से जूझना पड़ता है। गोविंद वन्य जीव विहार पार्क क्षेत्र में स्थित हरकीदून, केदारकांठा, देव क्यार बुग्याल, भराड़सर की सैर करने के लिए हर वर्ष दिसम्बर माह में पर्यटक जखोल, सांकरी, सौड़, सिदरी, कोटगांव, ढाटमीटर, गंगाड औसला गांव में बने होम स्टे में कैंप करने के लिए पहुंचते हैं। जिसके लिए उन्हें पहले मोरी ओर इसके बाद नैटवाड़ होते हुए सांकरी से गंतव्य तक पहुंचते हैं। लेकिन नैटवाड़ बाजार में पहुंचते ही उन्हें जाम की समस्या से जूझना पडता है। यहां सड़क किनारे खड़े वाहनों, दुकानों द्वारा सड़क पर फैलाई गई सामाग्री के चलते वाहनों के कारण आये दिन जाम की समस्या बनी रहती है। जिससे पर्यटकों को खासी दिक्कत उठानी पड़ती है। स्थानीय निवासी ईश्वर सिंह ने बताया कि नैटवाड़ बाजार हरकीदून घाटी का मुख्य केन्द्र बिंदु हैं। जहां से 42 गांव के आवागमन के साथ ही 27 ट्रेक रुटो के लिए पर्यटक आवागमन करते हैं। लेकिन बाजार में वाहनों के रूकने के लिए समुचित स्थान नही है। इससे यहां जाम की समस्या बनी रहती है।

दो दिवसीय क्रियात्मक अनुसंधान कार्यशाला संपन्न

नई टिहरी : जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) में दो दिवसीय क्रियात्मक अनुसंधान कार्यशाला संपन्न हुई। द्वितीय चरण की इस कार्यशाला में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) में दो दिवसीय क्रियात्मक अनुसंधान कार्यशाला संपन्न हुई।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र पंजीकरण संख्या- B202405900330001590 दिनांक- 22-07-2024 में मेरे पुत्र का नाम वेदव रावत गलत दर्ज हो गया है, जबकि मेरे पुत्र का सही व वास्तविक नाम आरूष रावत है। अतः मेरे पुत्र के जन्म पत्र में पुत्र का सही व वास्तविक नाम आरूष रावत दर्ज जन्म प्रमाण पत्र निर्गत किया जाय।

नितिन रावत पुत्र स्व0 मदन सिंह रावत निवासी ग्राम लालपानी पल्ली, पोस्ट कुम्भीचौड, पट्टी सनेह, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
(1526/21)

संक्षिप्त समाचार

मोनाल कप : सचिवालय हरिकेन और डेंजर ने जीते अपने-अपने मैच

देहरादून । मोनाल कप के अंतर्गत खेले गए मुकाबलों में सचिवालय हरिकेन और डेंजर ने अपने अपने मैच जीतकर अगले दौर में प्रवेश किया। गुरुवार को मोनाल कप 2025 के अंतर्गत महाराणा प्रताप क्रिकेट ग्राउंड में दो मैच खेले गए। पहला मैच सचिवालय हरिकेन और विंग्स के बीच खेला गया। हरिकेन की टीम ने कुल 20 ओवरों में 07 विकेट पर 196 रन बनाए। सुनील मैंदोला ने 68 और दिवाकर पंत ने 40 रन बनाए। दिनेश, सुंदर और संजय जोशी ने 02-02 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी विंग्स की टीम के बल्लेबाज खास प्रदर्शन नहीं कर सके। टीम 15 ओवरों में 93 रन पर ऑल आउट हो गई। सुंदर ने 21 रन बनाए। दीपक डिमरी ने 04, आशीष और ओमीश ने 02 - 02 विकेट लिए। सचिवालय हरिकेन ने मैच 103 रनों से जीत लिया। सुनील मैंदोला को मैन ऑफ द मैच दिया गया। दूसरा मैच डेंजर एवं माइटी 11 के बीच खेला गया। डेंजर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 07 विकेट पर 169 रन बनाए। नूर मोहम्मद ने 36 रन बनाए। अंकित और अंकुश ने 02-02 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने माइटी 11 की टीम 139 रन ही बना सकी। यश सौन ने 53 रन बनाए। नूर और नीरज ने 02-02 विकेट लिए। डेंजर टीम ने मैच 30 रन से जीत लिया। नूर मोहम्मद मैन ऑफ द मैच बने।

गुरु तेग बहादुर जी के जीवन, उनके आदर्श और उनके बलिदान के महत्व को बताया

देहरादून । उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस ने गुरुद्वारा गोविंद नगर, रेसकोर्स में आयोजित श्री गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं शहादत दिवस पर उनके सवोच्च बलिदान को नमन किया और अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। समागम में भाई करन सिंह, मनजीत सिंह मीत और क्षेत्र की कई महिलाओं ने गुरबाणी का गायन किया। कथा वाचक भाई बलविंदर सिंह (स्वीटी) ने गुरु तेग बहादुर जी के जीवन, उनके आदर्श और उनके बलिदान के महत्व को संगत के सामने सरल और भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम संयोजक अमरजीत सिंह ने सभी कांग्रेस नेताओं, पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और गुरुद्वारा गोविंद नगर प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष बलबीर सिंह सहनी तथा विशेष सहयोग के लिए जसविंदर सिंह गोगी का आभार जताया।

इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल, एआईसीसी सीडब्ल्यूसी सदस्य गुरदीप सिंह सप्पल, करन माहरा, पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, पूर्व कैबिनेट मंत्री हरक सिंह रावत, किच्छा विधायक तिलक राज बेहड़, प्रतापनगर विधायक विक्रम सिंह नेगी, पूर्व विधायक राजकुमार, वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना, कोषाध्यक्ष आर्येंद्र शर्मा, आदि मौजूद थे।

राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता में आरएन भार्गव के तीन छात्रों का चयन

देहरादून । 8 से 10 दिसंबर तक आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता' के लिए आरएन भार्गव इंटर कॉलेज मसूरी के तीन छात्रों का चयन हुआ है। राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता में चयनित खिलाड़ियों में आदेश राणा, संदीप, राकेश रावत शामिल है ' विद्यालय के व्यायाम शिक्षक शैलेन्द्र बिष्ट ने बताया कि खिलाड़ियों ने कठिन परिश्रम, अनुशासन और नियमित अभ्यास के बल पर राज्य स्तर तक अपनी पहचान बनाई है। छात्र विभिन्न खेल-कूद प्रतियोगिताओं में विद्यालय का नाम रोशन करते हुए राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर चयनित हो रहे हैं। विद्यालय के प्रधानाचार्य अनुज कुमार तायल ने छात्रों व व्यायाम शिक्षक शैलेन्द्र बिष्ट की प्रशंसा की। विद्यालय प्रबंधन द्वारा भी तीनों चयनित खिलाड़ियों तथा व्यायाम शिक्षक शैलेन्द्र बिष्ट को सम्मानित किया गया।

होर्डिंग-पोस्टर से शहर को बदरंग करने वालों पर मुकदमा दर्ज होगा

देहरादून । वरिष्ठ संवाददाता नगर निगम की ओर से 72 घंटे में शहर को अवैध होर्डिंग, बैनर और पोस्टर से मुक्त करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। गुरुवार को चार टीमों ने शहर भर में 5200 से होर्डिंग, बैनर और पोस्टर हटाए। नगर आयुक्त नमामी बसंल ने अभियान का स्थलीय निरीक्षण किया और तय समय में अभियान पूरा करने के निर्देश दिए।

उन्होंने बार-बार अवैध रूप से होर्डिंग-पोस्टर लगाने पर मुकदमा दायर करने के निर्देश दिए। अभियान के तहत निगम की चार टीमों ने घंटाघर से बल्लूपुर चौक, राजपुर रोड, ईसी रोड, परेड ग्राउण्ड, सहस्त्रधारा रोड, सहारनपुर रोड से आईएसबीटी तक कार्रवाई की।

डीएम ने मृतक के परिवार से की मुलाकात, कहा प्रशासन पीड़ित परिवार के साथ खड़ा है

घटना से आक्रोशित ग्रामवासियों को जिलाधिकारी ने समझा बुझाकर किया शांत

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : गुरुवार प्रातः लगभग 06:30 बजे तहसील पौड़ी के ग्राम पंचायत चवथ के गजल्ड (गजेंद्रपुर) गांव में 45 वर्षीय राजेन्द्र नौटियाल पुत्र बच्ची राम नौटियाल पर गुलदार ने हमला कर अपना निवाला बनाया। घटना की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन और वन विभाग की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। वन विभाग की रैपिड रेस्पॉन्स टीम के 16 सदस्य पिंजरे एवं आवश्यक उपकरणों सहित तत्काल मौके पर पहुंच गए। कुछ ही देर बाद जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया, स्थानीय विधायक राजकुमार पोरी सहित अन्य अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे।

जिलाधिकारी ने पीड़ित परिवार से मिलकर संवेदना व्यक्त की और कहा कि दुःख की इस घड़ी में प्रशासन पीड़ित परिवार के साथ खड़ा है। जिलाधिकारी ने कहा कि सूचना मिलते ही घटना की गंभीरता देखते हुए चीफ वाइल्डलाइफ वार्डन से तुरंत गुलदार के शूटिंग की अनुमति मांगी गयी। उन्होंने बताया कि दो घंटे में चीफ वाइल्डलाइफ वार्डन द्वारा अनुमति प्रदान की गयी। जिसके तुरंत बाद आश्वासन के अनुरूप शूटरों को तैनात करने की त्वरित कार्रवाई की गयी। आक्रोशित ग्रामीणों को जिलाधिकारी ने शालीनता से समझाकर शांत किया और कहा कि पूरा सरकारी तंत्र पीड़ित परिवार के साथ खड़ा है।

उन्होंने ए बताया कि अपराह्न 3 बजे तक शूटर पहुंच गए थे। जिलाधिकारी ने संयुक्त मजिस्ट्रेट दीक्षिता जोशी व वन विभाग के अधिकारियों को पशुपालन विभाग के माध्यम से पशुओं हेतु चारे की व्यवस्था प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि पीड़ित परिवार को सरकार की ओर से देय 10 लाख रुपये की मुआवजा राशि उपलब्ध करायी जा रही है। मौके पर डीएफओ अभिमन्यु सिंह, संयुक्त मजिस्ट्रेट दीक्षिता जोशी, एसडीओ फॉरेस्ट आयशा बिष्ट सहित पुलिस एवं वन विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

तीन संकुल के स्कूल व आंगनबाड़ी में दो दिन अवकाश

जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने बताया कि तात्कालिक सुरक्षा हेतु संकुल ढ़ाण्डरी (ग्रामीण क्षेत्र), संकुल बाड़ा, संकुल चरधार के कक्षा 01 से 12 तक संचालित समस्त निजी/ शासकीय/ अशासकीय विद्यालयों/आंगनबाडियों में शुक्रवार 5 दिसंबर व शनिवार 6 दिसंबर के अवकाश के आदेश दे दिए गए हैं।

भाजयूमो ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री की टिप्पणी के खिलाफ किया प्रदर्शन

देहरादून । तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा हिन्दू आस्था और देवी-देवताओं के प्रति की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में भारतीय जनता युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस भवन कूच किया। पुलिस द्वारा रोके जाने पर कनक चौक पर ही रेवंत रेड्डी का पुतला दहन किया। भाजयूमो कार्यकर्ता भाजपा महानगर कार्यालय से परेड ग्राउंड के सामने से कांग्रेस भवन की ओर बढ़े मगर पुलिस ने उन्हें आगे नहीं बढ़ने दिया। कार्यकर्ता अपने हाथों में बैनर, पोस्टर लिए हुए नारेबाजी करते हुए चल रहे थे। कुछ देर नारेबाजी करते हुए चौक पर ही कार्यकर्ताओं ने पुतले को आग के हवाले कर दिया।

मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष विपुल मैंदोली ने कहा कि रेवंत रेड्डी ने पूरे देश के करोड़ों हिन्दुओं की भावनाओं को आहत किया है। यह बयान न सिर्फ असंवेदनशील है, बल्कि समाज में वैमनस्य फैलाने वाला भी है।

गीता धार्मिक ग्रंथ ही नहीं, विश्व शांति के लिए मार्गदर्शक

देहरादून । आयुर्वेद विवि के मुख्य परिसर हर्रावाला में गुरुवार को गीता जयंती सप्ताह का समापन हुआ। इसमें छात्रों को लक्ष्य-केंद्रित कर्म की प्रेरणा दी गई। वक्ताओं ने गीता के ज्ञान को न केवल धार्मिक ग्रंथ, बल्कि आधुनिक जीवन की समस्याओं, विशेष रूप से अवसाद (डिप्रेशन) के उपचार और विश्व शांति के लिए एक मार्गदर्शक सिद्धांत बताया। शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व राज्यमंत्री आचार्य सुभाष जोशी, विशिष्ट अतिथि अध्यक्ष श्रीमहाकाल सेवा समिति रोशन राणा, परिसर निदेशक प्रो. पंकज शर्मा, उपपरिसर निदेशक डॉ. नन्द किशोर दाधीच, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. राजीव कुरेले एवं डॉ. प्रदीप सेमवाल ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

वक्ताओं ने कहा कि गीता का ज्ञान किसी एक जाति या धर्म तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समस्त विश्व के कल्याण का उपदेश करती है। श्रीमद्भगवद्गीता को कर्म करने की प्रेरणा का स्त्रोत बताया और कहा, अपने कर्तव्य का पालन करना ही श्रेष्ठ कर्म है। छात्रों को अर्जुन के समान जिज्ञासु शिष्य बनकर गुरु में निहित ज्ञान ग्रहण करने की शिक्षा दी। अवसाद रोग की चिकित्सा के लिए गीता एवं आयुर्वेद शास्त्र का ज्ञान लाभकारी है। उन्होंने चिकित्सकों को सलाह दी कि वे रोगी की चिकित्सा से पूर्व अपने मन व कर्म को श्रेष्ठ बनाएं, क्योंकि गीता और आयुर्वेद दोनों ही शरीर के साथ मन की चिकित्सा और आत्म कल्याण की भावना से कार्य करते हैं। बीएएमएस 2024 बैच के छात्र-छात्राओं ने गीता में विश्व शांति के उपाय, विद्यार्थी जीवन में गीता का महत्व, आधुनिक युग में गीता की आवश्यकता, आहार विवेचन और पुरुषार्थ जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। संचालन चक्षु कुमारी व मदीहा खान ने किया। इस दौरान डॉ. प्रबोध येरावर, डॉ. आकांक्षा, डॉ. ऋचा शर्मा, डॉ. सुनील पांडेय, डॉ. ऋषि आर्य, डॉ. मन्नत मारवाह, डॉ. इला तन्ना, डॉ. अखिल जैन आदि मौजूद रहे।

डीएम भारत स्काउट्स एंड गाइड्स से जुड़े

हल्द्वानी । भारत स्काउट्स एंड गाइड्स नैनीताल ने गुरुवार को जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल को औपचारिक रूप से अपना पैट्रन (संरक्षक) नियुक्त किया। कार्यक्रम में मुख्य शिक्षा अधिकारी और जिला मुख्यायुक्त गोविंद जायसवाल ने जिलाधिकारी को स्काउट-गाइड का पारंपरिक स्कार्फ और हीरा जयंती (डायमंड जुबली) की खास टोपी भेंट की। इस मौके पर जिला संस्था के सभी पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे।

पटरी व्यवसायियों ने की टीवीसी सदस्यों को हटाने की मांग

देहरादून । पटरी व्यवसायियों ने टाउन वेंडिग कमेटी के सदस्यों को हटाने की मांग की है। पटरी वालों का कहना है कि अधिकाशं पटरी वाले उनके कार्य से असंतुष्ट है व उनके खिलाफ विश्वास भंग की स्थिति बनी हुई है।उन्होंने नये सदस्य बनाए जाने की मांग उठाई है। पटरी व्यवसायियों ने एसडीएम को दिए ज्ञापन में कहा कि वर्तमान में जो टीवीसी सदस्य है वह पटरी वालों की समस्याओं के समाधान के प्रति गंभीर नहीं है, उनके स्थान पर नये टीवीसी सदस्य चुनाव प्रक्रिया के तहत बनाए जाएं। ज्ञापन में कहा गया कि नगर पालिका द्वारा जो चिन्हीकरण किया गया उससे पटरी व्यापारी संतुष्ट नहीं हैं। आरोप लगाया कि जिनका चिन्हीकरण किया गया वह सही तरीके से नहीं किया गया।इस निर्णय से पटरी व्यापारी संतुष्ट नहीं हैं। ज्ञापन एसडीएम के साथ ही नगर पालिका अध्यक्ष को भी ज्ञापन दिया गया है। ज्ञापन देने वालों में संजय टम्टा, गोविंद नौटियाल, सोबन सिंह राणा, सब्बल, आसिफ, सरोज, इमरान, मौ. तारिक, रहीश, राजेश्वरी, सपना, लक्ष्मी देवी, सीता शर्मा, मधु, अर्जुन सिंह, सुनीता, चांदनी, सुमन, उषा, ममता, कपिल, मनोहरी देवी, सरस्वती, वीरपाल सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

डॉ.अनिल जोशी को इंसा फेलो ऑफ द नेशन अकादमी सम्मान

देहरादून । हेस्को के संस्थापक पर्यावरणविद पद्मभूषण डॉ.अनिल प्रकाश जोशी को उनके लंबे अनुभव, समाज में विज्ञान-आधारित कार्यों के लिए देश की सवोच्च संस्था इंडियन नेशनल साइंस अकादमी-इंसा ने फेलो ऑफ द नेशनल अकादमी से सम्मानित किया है। डॉ.अनिल जोशी विगत 40 वर्षों से विज्ञान को ग्रामीण-मुखी बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं। यह कार्यक्रम एक भव्य समारोह में जेएनयू विश्वविद्यालय नई दिल्ली में हुआ। इस कार्यक्रम में इंसा के सभी भूतपूर्व अध्यक्ष, वर्तमान अध्यक्ष डॉ. आशुतोष शर्मा, भावी अध्यक्ष डॉ. शेखर पांडे भी शामिल थे। इस विशिष्ट सम्मान को प्राप्त करने वालों में डॉ. अनिल प्रकाश जोशी के अलावा एटोमिक एनर्जी कमीशन चेयरमैन डॉ. अजीत मोहंती, उद्योगपति मुकेश अंबानी, आदित्य बिरला ग्रुप के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला भी शामिल थे। डॉ. जोशी ने अपने संबोधन में देश के प्रमुख वैज्ञानिकों से कहा कि आज दुनिया में प्रकृति और पर्यावरण को लेकर जो बड़े परिवर्तन हो रहे हैं, वे विज्ञान के समुचित दिशा में न पाने का परिणाम भी हैं। 17वीं सदी के बाद विज्ञान द्वारा बनाए गए अधिकांश उत्पादों ने किसी न किसी रूप में प्रकृति पर बोझ बढ़ाया है। आज दुनिया भर में प्राण, वायु और पानी संकट में पड़ चुके हैं। इसलिए आवश्यक है कि देश और दुनिया के वैज्ञानिक प्रकृति के विज्ञान पर भी कार्य करें। आज प्रकृति-विज्ञान की ओर झुकाव हमारी मजबूरी भी हो चुकी, क्योंकि अब विश्व में पारिस्थितिक संकट गहरा चुका है। पूर्व में विज्ञानियों ने अपनी मेहनत से आर्थिक संकट को जिस तरह दूर किया और भारत को सक्षम बनाया, उसी तरह अब इकोलॉजिक क्राइसिस से निपटने के लिए भी वैज्ञानिकों को कमर कसनी होगी। डॉ. जोशी ने इंसा पदाधिकारियों से अपील की कि वह अपने कार्यक्रमों में प्रकृति-विज्ञान को एक अहम स्थान दे, ताकि हम भविष्य में प्रकृति-समर्थ विकास की कल्पना कर सकें। डॉ. अनिल जोशी और हेस्को एक दूसरे के पूरक डॉ. अनिल प्रकाशजोशी ने 1986 में हिमालयी पर्यावरण के संरक्षण और स्थानीय समुदायों के लिए स्थायी आजीविका को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हेस्को की स्थापना की थी।

खनन वाहनों की निकासी व्यवस्था पर गुस्सा

हल्द्वानी । हल्द्वानी में गौला खनन मजदूर उत्थान समिति की बैठक में खनन वाहनों के वजन को लेकर नाराजगी जताई गई। छोटे वाहनों का वजन 80 कुंतल और बड़े वाहनों का 108 कुंतल निर्धारित करने की मांग की गई। समिति के अध्यक्ष ने कहा कि वर्तमान नियमों के कारण आरबीएम समय पर नहीं निकल पाता।

गौला नदी में वन विकास निगम की खनन वाहनों की निकासी व्यवस्था पर कारोबारियों में नाराजगी है। गुरुवार को बेरीपड़ाव स्थित एक बैंक्वेट हॉल में गौला खनन मजदूर उत्थान समिति की बैठक हुई, जिसमें खनन से जुड़े छोटे वाहनों का वजन 80 कुंतल और बड़े वाहनों का वजन 108 कुंतल वजन निर्धारण करने मांग की गई। गौला खनन से जुड़े वाहन स्वामियों ने बताया कि प्रत्येक गेट से 800 से 1000 वाहन चलते हैं, लेकिन

नदी क्षेत्र में वजन मापने की कोई स्पष्ट व्यवस्था नहीं है। कांटे पर पहुंचने पर बढ़ा हुआ वजन दिखने से गाड़ियों को आरबीएम उतारना पड़ता है, जिससे जाम की स्थिति बनती है और दो दिन में केवल एक चक्कर ही लग पाता है। समिति के अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी ने कहा कि वर्तमान नियमों के कारण पर्याप्त आरबीएम समय पर बाहर नहीं निकल पाता। बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित हुआ कि ट्रकों के लिए अधिकतम 108 कुंतल और ट्रैक्टर-ट्रॉली के लिए 80 कुंतल वजन निर्धारित हो।

इससे अधिक वजन पाए जाने पर वाहन की निकासी अगले दिन के लिए रोकने का प्रावधान रखने पर भी सहमति बनी। बैठक में महामंत्री जीवन कबडवाल, सचिव इंदर सिंह नयाल, तारक मंडल, पंकज दानू, विजय बिष्ट, वीरेंद दानू, सुरेश चंद्र जोशी सहित अनेक पदाधिकारी और सैकड़ों वाहन स्वामी मौजूद रहे। ग्राम प्रधान प्रदीप आर्य, प्रकाश सिंह नेगी और अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी अपने सुझाव दिए।

समय-सीमा में आख्या न भेजने पर जिलाधिकारी ने जताई नाराजगी

अल्मोड़ा। जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने विभागों द्वारा विभिन्न प्रकरणों पर समय-सीमा में आख्या (रिपोर्ट) न भेजे जाने पर नाराजगी जताते हुए सभी विभागाध्यक्षों को कड़े निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार से प्राप्त संदर्भों, जन शिकायतों तथा न्यायालय से संबंधित प्रकरणों पर शासन स्तर से सामान्यतः दो से तीन सप्ताह का समय दिया जाता है, इसके बावजूद कई विभाग निर्धारित अवधि में अपनी आख्या उपलब्ध नहीं करा रहे हैं। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि सभी विभाग यह सुनिश्चित करें कि उनके अधीन प्राप्त सभी प्रकरणों पर निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवश्यक कार्रवाई की जाए और कार्यवाही का विवरण संबंधित विभाग को भेजा जाए। उन्होंने कहा कि समय पर आख्या न भेजने से शासन स्तर पर कार्यवाही प्रभावित होती है, जिसका सीधा प्रतिकूल प्रभाव जनहित पर पड़ता है। उन्होंने निर्देश दिया कि यदि किसी कारणवश आख्या निर्धारित अवधि में भेजना संभव न हो तो विभाग लिखित रूप में स्पष्ट कारणों के साथ यह भी अवगत कराएं कि रिपोर्ट किस तिथि तक उपलब्ध कराई जा सकेगी।

एसआईआर प्रक्रिया को त्रुटिरहित बनाने के लिए राजनीतिक दलों के साथ बैठक

अल्मोड़ा। आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य को पारदर्शी और त्रुटिरहित रूप से संचालित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अंशुल सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद के सभी विधानसभा क्षेत्रों के प्रत्येक मतदेय स्थल पर बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) नियुक्त किए जाने के संबंध में विस्तृत चर्चा हुई।

जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार एसआईआर की तैयारियाँ जारी हैं। सभी बूथों पर बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) नियुक्त किए जा चुके हैं। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से अपेक्षा की कि वे अपने प्रतिनिधि बीएलए के रूप में नामित कर दें, ताकि बीएलओ और बीएलए के पारस्परिक सहयोग से विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य सुचारू रूप से पूरा किया जा सके। उन्होंने बताया कि राजनीतिक दलों द्वारा दो प्रकार के बीएलए नामित किए जाएंगे-बीएलए प्रथम, जो विधानसभा वार नियुक्त होंगे, और बीएलए द्वितीय, जो प्रत्येक बूथ के लिए नामित किए जाएंगे। जिलाधिकारी ने कहा कि बीएलए अपने-अपने क्षेत्रों में एसआईआर प्रक्रिया के दौरान आने वाली आपत्तियों, शिकायतों और विसंगतियों को बीएलओ तक पहुंचाएंगे, जिससे त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा सकेगा। उन्होंने राजनीतिक दलों से आग्रह किया कि वे सक्रिय सहयोग रखते हुए मतदाता सूची को सही और अद्यतन बनाए रखने में योगदान दें। बैठक में बीएलए नियुक्ति की प्रगति, बीएलओ द्वारा की जा रही मतदाता सत्यापन प्रक्रिया तथा एसआईआर की स्थिति पर विस्तृत समीक्षा की गई।

अर्धसैनिक की वीर नारी को रजिस्ट्री में 25 प्रतिशत छूट

हल्द्वानी । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को उत्तराखंड में अर्धसैनिक बलों के जवानों एवं उनके परिवारों के लिए अहम घोषणाएं कीं। धामी ने कहा कि पूर्व अर्द्धसैनिक एवं अर्द्धसैनिक की वीर नारी, जिसके पास स्वयं की कोई अचल संपत्ति नहीं है उन्हें राज्य में एक बार अचल संपत्ति क्रय करने पर रजिस्ट्री के स्टाम्प शुल्क में 25 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। मुख्यमंत्री धामी काठगोदाम स्थित सीआरपीएफ के समूह केंद्र में हुए पूर्व अर्धसैनिक बल सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि भविष्य में प्रेजिडेंट पुलिस मेडल-गैलेन्ट्री अवार्ड वीरता पदक से अलंकृत होने वाले अर्धसैनिक को एकमुश्त पांच लाख रुपये की अनुदान राशि दी जाएगी।

उत्तराखंड राज्य अर्धसैनिक बल कल्याण परिषद को क्रियाशील किया जाएगा। उन्होंने कहा कि परिषद के लिए पुलिस मुख्यालय में एक कार्यालय कक्ष आवंटित किया जाएगा। सैनिक कल्याण निदेशालय में उपनिदेशक (अर्धसैनिक) एवं बड़े जिलों के जिला सैनिक कल्याण कार्यालयों में सहायक जिला सैनिक कल्याण अधिकारी (अर्धसैनिक) के एक-एक पद स्वीकृत किए जाएंगे। इसमें पूर्व अर्धसैनिक संविदा में नियुक्त किए जाएंगे। अर्धसैनिक बलों के जवानों के बच्चों को शादी हेतु सैनिकों के भांति धनराशि प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री ने सीजीएचएस भवन निर्माण के लिए तत्काल प्राथमिकता देते हुए भूमि चयन करने के निर्देश जिलाधिकारी को दिए। सीएम धामी ने कहा कि कोई भी सैनिक कभी भूतपूर्व नहीं होता, बल्कि हमेशा ही अभूतपूर्व होता है। 50 हजार परिवारों को मिलेगा लाभ सीआरपीएफ संगठन के अध्यक्ष पूर्व डिप्टी कमांडेंट डीएस बोरा ने बताया कि राज्य में सेना के जवानों और अफसरों के लिए सरकार की कई योजनाएं हैं, लेकिन अब अर्धसैनिकों बलों के जवानों के लिए भी कल्याणकारी योजनाओं की पहल स्वागत योग्य है। सीएम की इन घोषणाओं का लाभ प्रदेश में 50 हजार से अधिक सेवारत एवं सेवानिवृत्त अर्धसैनिक बलों (आईटीबीपी, सीआरपीएफ, सीआईएसएफ, एसएसबी, बीएसएफ) के परिवारों को लाभ मिलेगा। पहाड़ों में घुसपैठ कर रहे जेहाद पसंद लोगः धामी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि जेहाद पसंद लोग पहाड़ों पर घुसपैठ की कोशिश कर रहे हैं।

काठगोदाम में लोको पायलटों की 48 घंटे की भूख हड़ताल सम्पन्न

हल्द्वानी । पूर्वोत्तर रेलवे इज्जतनगर मंडल में लोको पायलटों की 48 घंटे की भूख हड़ताल गुरुवार को संपन्न हो गई। दस सूत्रीय मांगों को लेकर काठगोदाम रेलवे स्टेशन पर 15-20 लोको पायलट बिना ट्रेनों के संचालन को बाधित किए बारी-बारी से भूख हड़ताल पर बैठे। ऑल इंडिया लोको रनिंग एसोसिएशन (एआईएलआरएसए) के आह्वान पर लोको पायलटों ने दो दिसंबर से चार दिसंबर सुबह 10 बजे तक 48 घंटे का उपवास किया। काठगोदाम में उपवास शाखा सचिव मो. अफसर अली के नेतृत्व में आयोजित हुआ। उमेश चंद्र पांडेय और ललित नारायण मिश्र ने मो. अफसर अली, डीके सिंह, रवि रंजन राजश्री, राजेश कुमार, विनय कुमार यादव व दिनेश कुमार को जूस पिलाकर उपवास खुलवाया। इस दौरान रनिंग कर्मचारियों ने अपनी 10 सूत्रीय लंबित मांगों के समर्थन में प्रतीकात्मक विरोध भी दर्ज कराया। पायलटों की प्रमुख मांगों में टीए (ट्रेवलिंग अलाउंस) के सापेक्ष किलोमीटर रेट में 25% की वृद्धि, किमी रेट पर 70% तक आयकर छूट, कुल 48 घंटे का आवधिक विश्राम और पुरानी पेंशन की बहाली शामिल है।

भाजपा के पूर्व विधायक के खिलाफ दून में प्रदर्शन

देहरादून । हरिद्वार जिले से भाजपा के पूर्व विधायक के खिलाफ दून में सुराज सेवा दल ने प्रदर्शन किया और उनसे एक आईपीएस अधिकारी के खिलाफ टिप्पणी के मामले में माफी मांगने की मांग उठाई। ऐसा न होने पर आंदोलन की बात कही। गुरुवार को दल के प्रदेश अध्यक्ष रमेश जोशी के नेतृत्व में गांधी पार्क से लैंसडाउन चौक तक मार्च निकाला। प्रदर्शनकारियों ने पूर्व विधायक पर आरोप लगाया कि शराब तस्करी के खिलाफ हरिद्वार में एक आईपीएस अधिकारी ने कार्रवाई की थी, जिसके बाद पूर्व विधायक ने एक सरकारी कार्यक्रम के दौरान संबंधित अधिकारी से अभद्र और दबावपूर्ण भाषा में बातचीत की और कथित रूप से उन्हें धमकाने की कोशिश की। कहा कि अधिकारियों का अपमान,

कानून-व्यवस्था को चुनौती बर्दाश्त नहीं होगी। इससे अफसरों का मनोबल गिरता है। कहा कि इस तरह के कई मामले हरिद्वार में आ चुके हैं। कहा कि पूर्व विधायक सार्वजनिक रूप से माफी मांगे। नशा तस्करी पर सरकार से सख्त कदम उठाने की मांग उठाई। अधिकारियों की सुरक्षा व सम्मान का कठोर प्रावधान हो। इस दौरान देवेंद्र बिष्ट, कमल धामी, विजेंद्र, अजय मौर्या, विपिन सिंह, हिमांशु धामी, राजेश थापा, मेहरबान, कुर्बान, मोनू, कावेरी जोशी, पूजा बिष्ट, पूजा नेगी, संगीता, निधि, यश, राज शर्मा, गीता तोमर आदि मौजूद रहे।

नगर निगम में आयुक्त की नियुक्ति और बंदर पकड़ने की मांग पर तीसरे दिन भी धरना जारी

अल्मोड़ा। नगर निगम में आयुक्त की नियुक्ति और बंदरों को पकड़ने की व्यवस्था शुरू करने की मांग को लेकर पार्षदों का आंदोलन गुरुवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। नगर निगम परिसर में चल रहे धरने में गुरुवार को मेयर भी पहुँचे और दोनों प्रमुख मांगों पर पार्षदों को लिखित आश्वासन सौंपा। आयुक्त की नियुक्ति को लेकर पार्षदों की पहली मांग पर जिलाधिकारी द्वारा जारी आदेश का हवाला दिया गया है, जिसके अनुसार मुख्य विकास अधिकारी को प्रतिदिन प्रातः 10 से दोपहर 12 बजे तक नगर निगम में मौजूद रहने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही एक माह के भीतर नगर आयुक्त की नियमित नियुक्ति पूरी करने

की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। दूसरी मांग बंदर पकड़ने की व्यवस्था से संबंधित थी। नगर निगम ने बताया कि 1 दिसंबर को बंदर पकड़ने को लेकर कोटेशन जारी कर दिया गया है और इस माह के अंत तक पकड़ने का कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। लिखित आश्वासन मिलने के बाद भी पार्षदों ने धरना वापस नहीं लिया है। उनका कहना है कि यदि निर्धारित समयसीमा में दोनों मांगों पर कार्रवाई नहीं होती है, तो इस बार जनता को साथ लेकर बड़ा आंदोलन किया जाएगा। यहाँ धरने में पार्षद प्रदीप चंद्र आर्य, कुलदीप मेर, वैभव पांडे, चंचल दुर्गापाल, मधु बिष्ट, गुंजन सिंह चम्याल, दीपक कुमार, हेमचंद तिवारी, जानकी पांडे, अनूप भारती, नवीन चंद्र आर्य, राधा मटियानी, तुलसी देवी, मुकेश कुमार डैनी, भूपेंद्र जोशी, रीना टम्टा, इंतिखाब आलम कुरैशी, गीता बिष्ट, कमला किरौला और रोहित कार्की सहित अन्य पार्षद उपस्थित रहे।

प्रतिष्ठा , योशिता और मिताली बनी मूट कोर्ट की विजेता

देहरादून । उत्तरांचल विश्वविद्यालय के लॉ कॉलेज में गुरुवार को सुशीला देवी मेमोरियल मूट कोर्ट प्रतियोगिता का फ़ाइनल आयोजित किया गया। जिसमें प्रतिष्ठा बर्थवाल, योशिता सिंघल और मिताली नेगी बनी विजेता रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ नैनीताल हाईकोर्ट के पूर्व रजिस्ट्रार जनरल डीपी गैरोला और कुलपति प्रो. धर्मबुद्धि ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

प्रतियोगिता 30 दिन तक चली, जिसमें 29 कोर्ट बनाए गए और 38 निर्णायकों ने मूल्यांकन किया। फ़ाइनल में प्रतिभागियों ने सर्वोच्च न्यायालय की काल्पनिक पीठ के सामने इस मुद्दे पर बहस की कि क्या राज्यपाल किसी बिल को राष्ट्रपति की संस्तुति के नाम पर अनिश्चित समय तक रोक सकते हैं। डीपी गैरोला ने छात्रों को वकालत के गुर सिखाते हुए एआई पर अत्यधिक निर्भर न रहने की सलाह दी।

कार्यक्रम में प्रो. राधेश्याम झा, डॉ. ऐश्वर्य सिंह, प्रो. अनिल दीक्षित, डॉ. जितेंद्र सिंह, डॉ. लक्ष्मी प्रिया विंजामूरी, डॉ. रमाकांत त्रिपाठी सहित कई लोग मौजूद रहे।

इन्होंने भी हासिल की उपलब्धि उपविजेताः अंजली गुसांई, साधन्य ध्यानी, मिष्ठी गोयल सर्वश्रेष्ठ पुरुष अधिवक्ताः भुवन सर्वश्रेष्ठ महिला अधिवक्ताः खुशी खंतवाल सर्वश्रेष्ठ मैमोरियलः अंजली गुसांई, साधन्य ध्यानी, मिष्ठी गोयल सर्वश्रेष्ठ रिसर्चरः अनिरूद्ध शर्मा आदि शामिल रहे।

जयन्त

संस्थापक

स्व.नरेन्द्र उनियाल

प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी

नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित

-सम्पादक

नागेन्द्र उनियाल

आर.एन.आई. 35469/79

फोन/फैक्स 01382-222383

मो. 8445596074, 9412081969

e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com